राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 06, अंक 143 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, बुधवार 26 जून 2024 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

सेरोगेसी से मां बनने वाली सरकारी कर्मचारी भी ले सकेंगी मातृत्व अवकाश, नियमों में संशोधन हुआ

नईदिल्ली। सेरोगेसी के जरिए मां बनने वाली केंद्रीय कर्मचारियों के लिए खुशी की खबर है। केंद्र सरकार ने नियमों में संशोधन करते हुए महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने का फैसला किया है।अभी तक सेरोगेसी से मां बनने वाली सरकारी कर्मचारियों के लिए मातृत्व अवकाश का कोई प्रावधान नहीं था। केंद्र ने इस संशोधन के साथ 50 साल पुराने नियम को बदला है।मां के साथ पिता को भी अवकाश का लाभ मिलेगा। केंद्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 के अनुसार, सरोगेसी के मामले में सरोगेट के साथ-साथ 2 से कम जीवित बच्चों वाली कमीशनिंग मां को 180 दिनों का मातृत्व अवकाश दिया जा सकता है, अगर महिला या पति में से कोई एक या दोनों सरकारी कर्मचारी हैं।पिता को बच्चे के जन्म से 6 महीने के भीतर 15 दिनों के लिए पितृत्व अवकाश मिलेगा। इसके साथ ही महिला कर्मचारी नए नियम के तहत बाल देखभाल अवकाश भी ले सकती हैं।

दिल्ली में पिता ने नवजात जुड़वा बेटियों की हत्या की, लड़की होने से था नाराज

नईदिल्ली। दिल्ली में एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी 2 जुड़वा बेटियों की हत्या कर दी और शवों को दफना दिया।इस काम में उसने परिवार के अन्य सदस्यों की भी मदद ली। परिवार के लोग घर में जुड़वा बेटियों के होने से नाखुश थे। उन्होंने जन्म के कुछ दिन बाद ही वारदात को अंजाम दिया।दिल्ली पुलिस ने शिकायत के बाद कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया है। मामला कोर्ट के पास भी पहुंचा था, जिसके बाद उन्होंने शवों का पोस्टमार्टम करने का आदेश दिया। पुलिस ने शवों को गड्ढों से निकालकर उन्हें संजय गांधी अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है।पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हत्या की सच्चाई का पता चलेगा। पुलिस ने महिला के ससुर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि महिला का पति फरार है।पुलिस आरोपी व्यक्ति को तलाश कर रही है।

दुनिया भारत के उत्थान को देख रही है, यह भारत का क्षण है-अदाणी

अहमदाबाद। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा कि भू-राजनीतिक तनावों और वैश्विक रिश्तों को खराब करने वाली अनिश्चितताओं के बीच दुनिया भारत के उत्थान को देख रही है और यह भारत का क्षण है।अदाणी एंटरप्राइजेज की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए गौतम अदाणी ने कहा कि एक जटिल विश्व में भारत अब स्थायित्व, सहयोग और प्रगति की शक्ति बन चुका है। अदाणी समूह के चेयरमैन ने कहा, भारत की वृहद अर्थव्यवस्था की स्थिरता और महत्वाकांक्षी विकास योजनाएं हमारा विश्वास बढ़ाती हैं।

जानें किसके पक्ष में है नंबर गेम?

ओम बिरला का मुकाबला कांग्रेस के सुरेश के साथ होगा...

नयी दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए सरकार और विपक्ष के बीच मंगलवार को आम-सहमति नहीं बन सकी और अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार तथा भाजपा सांसद ओम बिरला का मुकाबला कांग्रेस के कोडिकुन्नील सुरेश के साथ होगा. बिरला और सुरेश ने मंगलवार को क्रमश: राजग और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के उम्मीदवारों के रूप में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में उतरने के लिए विपक्ष ने अंतिम समय में तब फैसला लिया जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने उनकी इस पूर्व शर्त को नहीं माना कि राजग के उम्मीदवार बिरला का समर्थन करने के ऐवज में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को उपाध्यक्ष पद दिया जाना चाहिए. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसद भवन स्थित कार्यालय में विपक्ष की ओर से कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और द्रमुक के टी आर बालू ने सिंह, गृह मंत्री अमित शाह तथा स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से इस मुद्दे पर आम-सहमति बनाने के उद्देश्य से बातचीत की लेकिन दोनों पक्ष अपने रुख पर अड़े रहे और कोई नतीजा नहीं निकला. पिछली लोकसभा में भी अध्यक्ष रह चुके बिरला को राजग की तरफ से सर्वसम्मति से उम्मीदवार बनाया गया है. बिरला ने नामांकन दाखिल करने से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की. वेणुगोपाल और बालू लोकसभा अध्यक्ष के पद के लिए राजग उम्मीदवार

का समर्थन करने से इनकार करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कार्यालय से बाहर आ गए. वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि सरकार ने उपाध्यक्ष पद विपक्ष को देने की प्रतिबद्धता नहीं जताई. केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के लिए उम्मीदवार के नाम पर सर्व सम्मति होती तो बेहतर होता. उन्होंने इस संबंध में शर्तें रखने के लिए विपक्ष की आलोचना भी की. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को शर्तों पर नहीं चलाया जा सकता. जनता दल (यूनाइटेड) के नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि बिरला का नाम राजग के सभी दलों ने सर्वसम्मति से तय किया और भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह भी समर्थन हासिल करने के लिए विपक्ष के पास पहुंचे.विपक्ष पर निशाना साधते हुए ललन सिंह ने कहा कि वे लोकसभा उपाध्यक्ष के पद पर तुरंत फैसला चाहते हैं, जबकि राजनाथ सिंह ने अनुरोध किया था कि चयन का समय आने पर सभी को एक साथ बैठना चाहिए और इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए. बिरला ने नामांकन दाखिल करने से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की. वह राजस्थान के कोटा से लगातार तीसरी बार भाजपा के टिकट पर सदस्य निर्वाचित हुए हैं. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार लोकसभा अध्यक्ष का निर्वाचन बुधवार को होना है और यदि मतदान होता है तो लोकसभा के इतिहास में ऐसा तीसरी बार ही होगा. सदन में भाजपा समेत राजग के 293 सांसद हैं

सुरेश आठवीं बार सांसद बने हैं और वह दलित समुदाय से आते हैं.

चिराग पासवान ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जब भी कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष को पता चलता है कि उनकी हार सुनिश्चित है तो वे दलित कार्ड चल देते हैं. पासवान ने कहा कि साल 2002 में उन्हें पता था कि वे उपराष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं फिर भी उन्होंने सुशील कुमार शिंदे को उम्मीदवार बनाया था. उन्होंने कहा कि इसी प्रकार 2017 में जब वे जानते थे कि वे राष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं तो उन्होंने मीरा कुमार को उम्मीदवार बनाया. उन्होंने कहा, अब जब उनके पास स्पष्ट रूप से लोक सभा अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए संख्याबल नहीं है तो वे कांग्रेस के दलित के नेता के.सुरेश जी को नामांकित कर रहे हैं. उन्होंने सवाल किया, विपक्ष के लिए क्या दलित नेता केवल और केवल प्रतीकात्मक उम्मीदवार हैं?

पेपर लीक-अध्यादेश लेकर आई योगी

उम्रकैद और एक करोड़ का जुर्माना,कैबिनेट की मंजूरी..

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में परीक्षा पेपर लीक के मुद्दे पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एक कड़े नए कानून को मंजूरी दे दी है। मंगलवार को एक कैबिनेट बैठक के दौरान, राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश 2024 पेश करने का प्रस्ताव पारित किया। इस अध्यादेश का उद्देश्य परीक्षा पत्र लीक करने के दोषी पाए जाने वालों के लिए गंभीर दंड लागू करना है। इस नए कानून के तहत न्यूनतम दो साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, अपराधियों को 1 करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना भी भरना पड़ेगा। कैबिनेट बैठक में 44 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश 2024 की शुरूआत भी शामिल थी, जो लोकसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा नकल माफियाओं के खिलाफ सख्त कानून लागू करने के वादे को दर्शाता है।

कोच्चि के कोठामंगलम में भारी बारिश और हवा के कारण उखड़े हुए पेड़ के नीचे दबी कार को बचावकर्मियों ने निकाला.

गोधरा का दर्दनाक ट्रेलर जारी

22साल पुराने मामले का सच अब होगा उजागर...!

नई दिल्ली। गोधरा कांड पर बनी फिल्म 'एक्सीडेंट ऑर कॉन्सपिरेसी गोधरा' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी कर दिया गया है। ट्रेलर के सामने आते ही साल 2002 की दुखद घटना के बारे में चर्चा फिर से शुरू हो गई है, जिससे कई सवाल भी खड़े हो गए हैं। फिल्म में अभिनेता रणवीर शौरी मुख्य भूमिका में हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी हुआ था, जिसके बाद से ही हर किसी की निगाहें इसके ट्रेलर रिलीज पर टिकी हुई थीं। 'एक्सीडेंट ऑर कॉन्सपिरेसी गोधरा' गोधरा कांड की जांच के लिए गठित नानावती-मेहता आयोग की रिपोर्ट पर आधारित फिल्म है। ट्रेलर को देखने के बाद वापस से सवाल उठ रहा है कि साबरमती एक्सप्रेस में आग क्यों लगी? इतने सारे लोगों की हत्या और सामूहिक बलात्कार कैसे किया गया? क्या अधिकारियों ने अपनी गैर जिम्मेदारी छुपाने के लिए कहानियां गढ़ीं?

दिल्ली जल संकट मामले में

मंत्री आतिशी अस्पताल में भर्ती अनिश्चितकालीन अनशन खत्म..

नयी दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में पानी की कमी के बीच दिल्ली के लिए पानी छोड़ने की मांग को लेकर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी का अनिश्चितकालीन अनशन मंगलवार तड़के उनकी सेहत बिगड़ने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराये की वजह से समाप्त हो गया. दिल्ली सरकार में कई मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल रहीं आतिशी को लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल के आपातकालीन आईसीयू (सघन चिकित्सा इकाई) में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत अब स्थिर है. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी के अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की. साथ ही यह भी कहा, उन्हें जनता को गुमराह करना बंद करना चाहिए. आतिशी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देते हुए अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि उनकी हालत स्थिर है, लेकिन वह आईसीयू में हैं. वरिष्ठ चिकित्सक ने कहा, कल शाम को शर्करा स्तर गिरने और उनके मूत्र में कीटोन की मौजूदगी का पता चलने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी गई थी. उन्होंने अस्पताल में भर्ती होने से इनकार कर दिया था. हालांकि, आधी रात को उनकी हालत बिगड़ने लगी और उन्हें सुस्ती आने लगी, जिसके बाद उन्हें भर्ती कराया गया. फ्लिहाल उनकी हालत स्थिर है और उन्हें आईसीयू में रखा गया है. उनके खून की जांच की जा रही है. चिकित्सक ने बताया कि उन्हें पानी दिया जा रहा है और वह अंतशिरा उपचार इन्ट्रावेनस थेरेपी पर हैं.

एक परिवार के पांच सदस्यो की हादसे में मौत

जौनपुर। जनपद प्रयागराज के थाना सराय ममरेज क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक हादसे में जौनपुर के एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में मौत की खबर मृतको के परिवार में पहुंचते ही कोहराम मच गया है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताते है कि , हादसा सरायममरेज थाना इलाके के सोरो पेट्रोल पंप के पास हुआ। एक टैंकर ने बाइक को रौंद डाला। हादसे में बाइक सवार पांच लोगों की मौत हो गई। हादसा सोमवार सुबह करीब छह बजे हुआ। हादसे में जान गंवाने वाले सभी मृतक एक ही परिवार के हैं। जिसमें दो बेटों समेत मां भी शामिल है।

नीट जैसी घटना छत्तीसगढ़ में भी हो गई

अभ्यर्थियों की दोबारा परीक्षा हो और दोषियों पर कार्रवाई करें.....

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र की भाजपा और साय सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नीट जैसी घटना छत्तीसगढ़ में भी हो गई है। सीजी टीईटी-2024 के अभ्यर्थियों की दोबारा परीक्षा कराएं। साथ ही गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। भूपेश बघेल ने कहा कि नीट परीक्षा गड़बड़ी की देशभर में चर्चा हो रही है। उसी प्रकार की गड़बड़ी छत्तीसगढ़ में शिक्षक पात्रता परीक्षा-2024 में सामने आई है। परीक्षार्थियों को डेढ़ घंटे विलंब से ओएमआर सीट दिया गया। भूपेश बघेल ने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद करो! पुन: परीक्षा का अवसर दोज आज सीजी टीईटी 2024 के कुछ अभ्यर्थियों ने मुझे आवेदन सौंपा है। यह मामला गंभीर है। यह छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। छत्तीसगढ़ शिक्षा पात्रता परीक्षा-2024 में ज़िला धमतरी के केंद्र क्रमांक 1520 महर्षि वेदव्यास शासकीय महाविद्यालय भखारा में प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिका विलंब से दिए जाने के संबंध में छात्रों ने शिकायत की है। भूपेश बघेल ने प्रेसवार्ता कर बताया कि इस गंभीर विषय को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर गड़बड़ी की जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने और परीक्षार्थियों को पुन: परीक्षा का अवसर देने की मांग की है। भूपेश ने कहा कि केंद्र में 400 अभ्यर्थी थे, जबकि ओएमआर सीट केवल 160 पहुंचे थे। परीक्षा केंद्र प्रभारी ने भी अभ्यर्थियों की बात नहीं सुनी। धमतरी के भखारा के अभ्यर्थियों के मामले में तत्काल कार्रवाई की जाए।

दिल्ली में पीएम मोदी, गृहमंत्री शाह और नवनिर्वाचित सांसदों से मिले सीएम साय

छत्तीसगढ़ में साय सरकार की कैबिनेट विस्तार जल्द होगा...

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में जल्द ही साय सरकार की कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। बृजमोहन अग्रवाल मंत्री और विधायक पद इस्तीफा दे चुके हैं। साय कैबिनेट में जगह खाली है। इसके अलावा मौजूदा मंत्रियों में से किन्हीं 2 को बदले जाने पर भी विचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मिले। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस मुलाकात में ष्टरू साय ने मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर चर्चा की है। इसके बाद साय छत्तीसगढ़ के नवनिर्वाचित सांसदों से मिलने पहुंचे और उनके साथ भोजन भी किया। राजनीतिक सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश में जारी काम-काज की जानकारी पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को दी। केंद्र की योजनाओं के छत्तीसगढ़ में संचालन संबंधी निर्देश भी मुख्यमंत्री को मिले हैं। इस मुलाकात के दौरान प्रदेश के सियासी हालात पर भी बात हुई है। संगठन से मुख्यमंत्री को मंत्रिमंडल में विस्तार को लेकर निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री जब छत्तीसगढ़ लौटेंगे। इसके बाद कैबिनेट में विस्तार को लेकर कोई बड़ा ऐलान हो सकता है। सूत्रों का कहना है कि सीएम साय को केंद्रीय नेतृत्व से कैबिनेट विस्तार के लिए हरी झंडी मिल गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की कैबिनेट में अभी 2 डिप्टी सीएम अरुण साव और विजय शर्मा सहित 11 मंत्री में हैं। इनमें राम विचार नेताम, केदार कश्यप, ओपी चौधरी, टंकराम वर्मा, दयालदास बघेल, श्याम

बिहारी जायसवाल, लक्ष्मी राजवाड़े, लखन देवांगन शामिल हैं। बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने और मंत्री पद से इस्तीफा के बाद साय कैबिनेट में अब दो विधायकों को एंट्री मिलनी है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा है कि एक पुराना और एक नया चेहरा मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। वहीं इस बात की भी चर्चा है कि एक-दो मंत्री को बदला भी जा सकता है। वरिष्ठता के आधार पर राजेश मूणत, अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर, रेणुका सिंह के नामों की चर्चा है। इनके अलावा कुछ ऐसे विधायक भी हैं, जो अंदरखाने इस कोशिश में हैं कि किसी तरह मंत्री बनने का मौका मिल जाए। इनमें कुछ ऐसे चेहरे हैं, जिन्हें मंत्री बनाकर भाजपा हर बार की तरह फिर चौंका सकती है। इनमें रायपुर उत्तर से विधायक पुरंदर मिश्रा, पंडरिया विधायक भावना बोहरा, कोंडागांव विधायक लता उसेंडी, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, बसना विधायक संपत अग्रवाल, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो और दुर्ग विधायक गजेंद्र यादव का नाम शामिल है। बहरहाल राजनीति हैज सभी बीजेपी विधायक चाहते हैं कि उन्हें मंत्रिमंडल में जगह मिल जाए, लेकिन किसके नाम की लाटरी लगती है यह आने वाला समय बताएगा।

नक्सल ऑपरेशन और छत्तीसगढ़ विजन डॉक्यूमेंट पर पीएम मोदी से चर्चा

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने आज यानी मंगलवार को संसद भवन दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने पर बधाई और शुभकामनायें दी। इस भेंट के दौरान मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री को प्रदेश के बस्तर संभाग में चल रहे नक्सल ऑपरेशन और छत्तीसगढ़ विजन श्र2047 'विजन डॉक्यूमेंट' के बारे में जानकारी दी। सीएम साय ने पीएम मोदी को बताया कि विजन निर्माण राज्य नीति आयोग की ओर से किया जा रहा है, जिसे एक नवंबर को राज्य की जनता को समर्पित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विगत छह महीने में नक्सल विरोधी अभियानों में की गयी कार्रवाई की जानकारी भी प्रधानमंत्री को दी।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ ड्राईवर महा संगठन शाखा ऑल ड्राईवर एसोसिऐशन जिला दुर्ग ने सौपा कलेक्टर के नाम ज्ञापन, जिला कार्यालय बनाने मांगी जमीन

पाटन। छत्तीसगढ़ ड्राईवर महा संगठन शाखा ऑल ड्राईवर एसोसिऐशन जिला दुर्ग आज कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। जिला कार्यालय के लिए,(सारथी भवन) बनाने के लिए जमीन की मांग की गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नागराज साहू,जिला कोषाध्यक्स मो अकबर, जिला सरक्षण प्रभारी रहीपाल साहू , जेवरा सिरसा कार्यालय कोषाधायछ ऐस कुमार निषाद, सदस्य गजपाल साहू , माइकल , नासिर, प्रेम साहू, और अन्य सदस्य सामिल थे ,।।

राज्य समन्वयक मोनिका सिंह ने स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों की निरीक्षण की

सारंगढ़ बिलाईगढ़, (समय दर्शन)/ स्वच्छ भारत मिशन की राज्य समन्वयक मोनिका सिंह सारंगढ़ बिलाईगढ़ के दौरे में रहीं। उन्होंने जिले के स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों की प्रगति को बढ़ाने के लिए परियोजना निदेशक हरिशंकर चौहान सीईओ जनपद पंचायत एवं अन्य अधिकारी कर्मचारियों को आग्रह की। विशेष रूप स्वच्छाग्राहियों को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के लिए सेनेटरी पैड का उपयोग एवं सुरक्षित निपटान के बारे में बताया गया।एफ्एसएम सेंटर में केना इंडिका का पौधा लगाने के लिए चर्चा किया गया। राज्य समन्वयक मोनिका सिंह ने ग्राम पंचायत घटौरा के आश्रित ग्राम करगीडीपा और ग्राम पंचायत कोतरी के स्वच्छता समूह से चर्चा की। इसके अंतर्गत घरों से निकलने वाले सूखा एवं गीले कचरे को अलग-अलग करने तथा संग्रहण करने के संबंध में चर्चा की गई साथ ही पृथक्करण शेड, सामुदायिक शौचालय एवं मैनेजमेंट यूनिट का निरीक्षण किया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने एशिया के प्रथम आईटीआई कोनी का किया निरीक्षण

बिलासपुर/ उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज कोनी स्थित आदर्श आईटीआई का निरीक्षण किया। एशिया महाद्वीप के प्रथम आईटीआई होने का गौरव इस संस्थान को हासिल है। ब्रिटिश शासन के दौरान वर्ष 1939-40 में इसकी स्थापना की गई थी। वर्तमान में लगभग 1200 विद्यार्थी इसमें विभिन्न प्रकार के 33 ट्रेडों में पढ़ाई कर रहे हैं। श्री शर्मा ने विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर पढ़ाई कर रहे बच्चों से बातचीत की। उन्होंने इस संस्थान के विकास को लेकर अधिकारियों की बैठक भी ली। जनप्रतिनिधियों से सलाह लेकर इस प्राचीन संस्थान की गरिमा को पुन:स्थापित करने के लिए एक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। विधायक श्री सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरूण सिंह चौहान एवं कलेक्टर अवनीश शरण भी इस अवसर पर उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के भारसाधक मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि बच्चों की सुविधा के लिए एक और हॉस्टल बनाये जाने की जरूरत है। फ्लिहाल केवल सवा सौ छात्र-छात्राओं के लिए दो हॉस्टल सुविधा है, जो कि अपर्याप्त है। उन्होंने संचालित इन दोनों छात्रावासों में मेस सुविधा भी शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने समय की मांग के अनुरूप नये ट्रेड्स खोलने की जरूरत भी बताई। जिन ट्रेड्डों में रोजगार एवं नौकरी की संभावनाएं बंद हो गई हैं, उन्हें बंद करने का प्रस्ताव भी संचालनालय भेजने को कहा। आईटीआई वर्तमान में 60 एकड़ भूमि पर पसरा हुआ है। इसके सामने के कुछ हिस्से को व्यावसायिक उद्देश्य के लिए परिवर्तित कर संस्थान की आमदनी बढ़ाई जा सकती है। श्री शर्मा ने कहा कि चूंकि यह एशिया की सबसे पहली आईटीआई के रूप में पहचान रखती है।

शासकीय कन्या शाला सेलूद में बाउंड्रीवाल नहीं होने से छात्राएं असुरक्षित, अंदर आ जाते है जानवर

सेलूद (समय दर्शन)। अटल व्यावसायिक परिसर के समीप पी डब्लू दी विभाग के द्वारा लगभग 1.25 करोड़ की लागत से बने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेलूद में बाउंड्रीवॉल नहीं है द्य जिसके कारण स्कूल कक्ष में मवेशी घूस जाते हैं। स्कूल में स्टाफ के साथ-साथ छात्र छात्राएं भी असुरक्षित हैं। ग्राम पंचायत एवं संस्था द्वारा बाउंड्रीवॉल बनवाए जाने की मांग लगातार किया गया जाता रहा है द्य लेकिन अभी तक ध्यान नहीं दिया। बच्चों को पढ़ाई में कोई व्यवधान न हो इसके लिए शीघ्र ध्यान देने की आवश्यकता है। आज से शिक्षा सत्र 2024-25 की कक्षाएं प्रारंभ रही है द्य एक साल से बाउंड्रीवाल नहीं होने का दंश झेल रहे छात्राओं को फिर से वही परेशानियों से दो चार होना पड़ेगा। स्कूल परिसर के साथ साथ खेल मैदान पर भी अवैध रूप से रेत, मुरुम, मिट्टी डालकर मैदान को अस्त व्यस्त कर दिया गया द्य शासकीय संस्था को भी शासन के द्वारा सुरक्षित नही रख पाना चिंतन का विषय है द्य सेलुद से होकर प्रतिदिन अधिकारीयो का आनाजाना लगा रहता है किंतु परिस्थिति का संज्ञान लेने वाला कोई जिम्मेदार अधिकारी नही है द्य

रात में असामाजिक तत्वों का रहता है डेरा : कन्या स्कूल में बाउंड्रीवॉल नहीं होने से शाम ढलते ही स्कूल परिसर में असामाजिक तत्वों का जमघट लग जाता है। सुबह स्कूल परिसर में खाली बोतलों से स्कूल मैदान भरा रहता है। छात्र छात्राओं को स्कूल में पहुंचने से पहले कई बार खाली बोतलों से सामना करना पड़ता है। मैदान में बोतलों को फोड़ दिए जाने से सायकिल पंचर हो जाता है। जिसके कारण स्कूल के शिक्षकों और बच्चों को प्रतिदिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा नहीं है कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में जानकारी न हो जानकारी होने के बाद भी इन स्कूलों में अहाता निर्माण में लापरवाही बरती जा रही है। पिछले वर्ष भी तत्कालिक जिला शिक्षा अधिकारी को बाउंड्रीवाल बनाए जाने की मांगपत्र सौंपा गया था द्य लेकिन स्कूल परिसर में बाउंड्रीवाल निर्माण नहीं होने से बच्चों की पढ़ाई में बाधा उत्पन्न हो रही है । 500 मीटर की दूरी पर शासकीय कन्या शाला और स्वामी आत्मानंद हायर सेकेंडरी है जिसमे हजारो बच्चे अध्यनरत है किंतु पीडब्लूडी विभाग के द्वारा कई बार जानकारी प्रेषित करने के बाद भी अभी तक नही बनाया गया है द्य बच्चे जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने आते जाते रहते है द्य दोनों स्कूल के बीच से सिक्स लेन सड़क निर्माण का कार्य प्रगति पर है द्य कंपनी के द्वारा सुरक्षा मानकों की अनदेखी किया जा रहा है द्य अफ्सर लोग कुम्भकर्णीय नींद में सो रहे है द्य और किसी अनहोनी का इंतजार कर रहे है ।

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बनारी, जांजगीर में इको क्लब समर कैम्प के छठवें दिवस का आयोजन

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में संस्था के संचालक श्री आलोक अग्रवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह के निर्देशन में दिनांक-18/06/2024 से 25/06/2024 तक समर कैम्प आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सी.बी.एस.ई बोर्ड के आदेशानुसार ''मिशन लाईफ के लिये इको क्लब'' के तहत क्रियान्वित कराया जायेगा। यह कार्यक्रम 7 दिवस तक आयोजित कराया जायेगा । प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं स्वास्थ्य सबंधी जानकारी प्रदान की जायेगी। जिसके तहत पहले दिन -' ''स्वस्थ्य जीवनशैली अपनाएँ'', दूसरे दिन - ''स्थायी खाद्य प्रणाली अपनाएँ'', तीसरे दिन - ''ई-कचरा कम करें'', चौथे दिन - ''कचरा कम करें'', पांचवे दिन- ''ऊर्जा बचाएँ'', छठवे दिन - ''पानी बचाएँ'' तथा सातवे दिन- ''एकल उपयोग प्लास्टिक का निषेध'' इत्यादि विषयों पर विद्यार्थियों को जागरूक किया जायेगा। उपरोक्त विषयों में से आज दिनांक - 24/06/2024 को आनलाइन मोड पर विद्यार्थियों को संस्था के शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा ''पानी बचाएँ'' विषय पर जानकारी प्रदान किया गया। इस विषय पर आगे बताया गया कि पृथ्वी पर सभी के जीवन के अस्तित्व के लिए पानी आवश्यक है। हम खाना के बिना तो कुछ दिनों तक जिंदा रह सकते हैं लेकिन पानी के बिना तीन दिन से अधिक जिंदा नहीं रह सकते। यदि हम जल संरक्षण को प्राथमिकता नहीं देंगे तो हमारे बच्चे और आने वाली पीढ़ी पानी की कमी से पीड़ित रहेगी। इसलिए हमें जल संरक्षण करना चाहिए। प्रतिदिन विषयवार यह कार्यक्रम आयोजित कराया जाएगा । आज के कार्यक्रम के सफ्ल संचालन में संस्था के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं, एडमिन स्टाफएवं ग्राउंड लेवल स्टाफका विशेष योगदान रहा।

33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र मे कार्यरत आपरेटर ने रखी मांगे

माँग पूरी न होने पर 3 जुलाई से सामुहिक अवकाश पर जायेंगे

सारंगढ़ बिलाईगढ़(समय दर्शन)- 33/11 उपकेन्द्र मे कार्यरत आपरेटरो आज अपनी विभिन्न समस्याओ को लेकर कार्यपालन यंत्री विधुत मण्डल, जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक सारंगढ -बिलाईगढ को ज्ञापन सौपा जिसमे मई 2024 व जून 2024 का वेतन भुगतान 10 तारिख तक करने, फ्रवरी 2024 से अभी तक ई.पी.एफ व ई.एस.आई.सी. बीमा राशि को जमा करवाने, 6 माह का अप्राप्त बोनस को जून माह के वेतन के साथ देना, 33/11 उपकेन्द्रो मे सुरक्षा सामग्रियाँ प्रदान करने बावत, व सभी उपकेन्द्रो की साफ सफ्ई करने हेतु ज्ञापन आज सभी आपरेटरो संघ के जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र सिदार जिला उपाध्यक्ष मनबोध जांगडे ,छोटु लाल अजय,राकेश जांगडे, दीपक बरेठ, हीरा बरेठ, सहीत 26 उपकेन्द्र के आपरेटरो ने मिलकर ज्ञापन सौपा उक्त समस्याओ का निराकरण न होने की स्थिति मे आपरेटर संघ ने 3 जुलाई से सामूहिक अवकाश पर जायेंगे जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी विधुत मंडलों की होगी

जिला पंचायत सीईओ ने जिसे जर्जर घोषित किया उसी भवन में संचालित होगा निजी स्कूल

सैकड़ों बच्चों की जान जोखिम में कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

रानितराई (समय दर्शन)। सरकार एक तरफ शिक्षा की गुणवत्ता सुधार लाने का प्रयास कर रही है। दूसरी ओर दुर्ग जिले के पाटन विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत में मासूम बच्चे जान खतरे में लेकर जर्जर स्कूल में पढ़ने मजबूर हो रहे हैं। पाटन ब्लॉक के ग्राम रानितराई स्थित स्वामी परमानंद मेमोरियल स्कूल को जिला पंचायत सीईओ द्वारा दो महीने पहले जर्जर घोषित कर डिसमेंटल करने का निर्देश दिया गया था बावजूद भवन में बुधवार से दुबारा स्कूल का संचालन होगा। सरपंच निर्मल जैन ने बताया कि लगभग 100 साल पहले अंग्रेजों के जमाने में बने सराय को जनपद द्वारा लाभ के लिए किराए पर दे दिया गया था। जिसमे निजी स्कूल का संचालन हो रहा है। भवन की जर्जर होने से यह कभी भी धराशायी हो सकता है। इसके बावजूद इस भवन में निजी स्कूल संचालित किया जा रहा है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने कई बार आवाज अधिकारियों के सामने उठाई लेकिन उनकी आवाज को अनसुना कर दिया गया। श्री जैन ने कहा कि जनपद पंचायत सीईओ से जानकारी लेने पर उन्होंने कहा एसडीएम को कारवाही के लिए भेजा जा चुका है। अधिकारियों को जानकारी फ्रि भी मौन : जानकारी अनुसार यह भवन करीब सौ साल पुराना है। जो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। हाल यह है कि जगह-जगह से बल्लियां टूटी हैं। इसके चलते यह भवन कभी भी गिर सकता है।

भाजपा ने किया लोकतंत्र सेनानियो का सम्मान

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। मीसाबंदीयो के सम्मान कार्यक्रम मे जांजगीर भाजपा कार्यालय पहुँचे पूर्व नेता प्रतिपक्ष व विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि आपातकाल का दौर देश के इतिहास मे आज तक का सबसे काले अध्याय के रूप मे साबित हुआ उस समय देश के हजारो लाखो बेकसूर लोगो को इन्दिरा गांधी ने जेल मे बंद कर दिया जनसंघ के हजारो कार्यकर्ताओ को कई महिनो तक जेल मे बंद कर यातनाए दी गई इससे कई लोगो की जेल मे मृत्यु हो गई 34000 मीसा बंदियो को गिरफ्तार किया गया प्रेस पर बैन लगा दिया गया नसबंदी भी उसी दौर मे किया गया शक्ति का दुरुपयोग कांग्रेस द्वारा उस समय किया गया अटल अडवाणी जार्ज फ्र्नांडीस श्यामानंद शर्मा जैसे बड़े नेताओ को जेल मे बंद कर दिया गया कांग्रेस ने अपने सता व पद लोलुपता के कारण व इन्दिरा गांधी ने पद मे बने रहने के कारण ऐसे किया अकारण लोगो को जेल मे बंद कर दिया गया 1977 मे देश मे चुनाव हुआ जिसमे जनता पार्टी की सरकार बनाई मोरारजी देसाई देश के प्रधानमंत्री बने उसके पश्चात भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1980 को हुई और अटल बिहारी बाजपेई पहले अध्यक्ष बने यही से भारतीय जनता पार्टी के संघर्ष की यात्रा शुरू हुई उन्होंने कहा कि हमारे लोकतंत्र सेनानियो की कुर्बानी व त्याग के कारण हम आज विकसित भारत का सपना देख रहे है सभी मीसाबंदी हमारी पूंजी है और इनका सम्मान हमारे दिलो मे है कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष गुलाब चंदेल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे लोकतंत्र सेनानी के बलिदान व त्याग को देश भूल नही सकता कांग्रेस पार्टी की उस समय की इन्दिरा गांधी ने जिस बर्बरतापूर्वक अनेकोनेक हमारे सेनानियो के साथ व्यवहार किया उनके परिवार को जो यातनाए झेलनी पड़ी उस समय व दिन को याद करते हुए हम आज भारतीय जनता पार्टी के लोग पुरे देश मे काला दिवस के रूप मे मना रहे है कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पुरूषोत्तम शर्मा ने किया उक्त कार्यक्रम मे अमबेश जांगडे दिनेश सिंह अमर सुल्तानीया अरूण झाझडिया नंद चौधरी रमेश वैष्णव गुरूदयाल पाटले राजाराम सिंहानी महादेव नेताम आशु गोस्वामी राजशेखर सिंह सनत पांडे मंगतूराम शर्मा अनुराधा शुक्ला संतोषी दुबे मोतीलाल डहरिया बद्री केशरवानी खमहन तिवारी सुमित प्रताप सिंह पंकज अग्रवाल अमित यादव परमेश्वर राठौर नंदनी रजवाडे मोहन यादव प्रदीप सोनी अनिल शर्मा प्रेमलता कौशिक धर्मेंद्र राणा उमेश राठौर पुष्पेनदर निर्मलकर शिवचमन सिंह शिशुपाल सिंह रितेश अग्रवाल प्रदीप राठौर गोलू दुबे अजय कौशिक योगेश चौरसिया देवानंद गढ़वाल सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे

ओला ने अपने एस1 स्कूटर पोर्टफोलियो पर 15,000 रुपये तक के फायदों के साथ 'इलेक्ट्रिक रश' ऑफरों की घोषणा की

बैंगलुरू: ओला इलेक्ट्रिक अपने 'ओला इलेक्ट्रिक रश' अभियान के अंतर्गत अपने एस1 पोर्टफोलियो पर 15,000 रुपये तक के आकर्षक ऑफर प्रदान कर रहा है। 28 जून तक लागू इन ऑफरों में एस1 एक्स+ पर 5,000 रुपये और एस1 प्रो एवं एस1 एयर पर 2,500 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके अलावा ग्राहकों को 10,000 रुपये तक के अतिरिक्त फायदे प्रदान किए जा रहे हैं, जिनके अंतर्गत एस1 एक्स+ पर 5,000 रुपये तक का एक्सचेंज बोनस और एस1 के संपूर्ण पोर्टफोलियो पर चुनिंदा क्रेडिट कार्ड ईएमआई के साथ 5,000 रुपये तक का कैशबैक शामिल है। ओला इलेक्ट्रिक एक विशाल एस1 पोर्टफोलियो पेश करता है, जिसमें आकर्षक मूल्य में छ: उत्पाद हैं, जो विभिन्न रेंज की जरूरत वाले ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हैं। हाल ही में कंपनी ने मास-मार्केट सेगमेंट में अपना एस1 एक्स पोर्टफोलियो उतारा है।

राजनांदगांव में छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल की जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। 23 जून को राजनांदगांव के संसकार सिटी कालेज ऑफ फार्मेसी में आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद संतोष पांडे का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में जुटे फार्मासिस्ट्स को वक्ताओं ने सामयिक बदलावों के साथ ही विभिन्न विषयों पर जानकारी दी।

एक दिवासीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का प्रारंभ भगवान धन्वंतरि, मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के तैल चित्र पर पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ मां सरस्वती की वंदना एवं राजकीय गीत गाकर किया गया। कार्यशाला में सम्मिलित होने के लिए अविभाजित राजनंदगांव जिले के कोने-कोने से फार्मासिस्ट एवं केमिस्ट कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम में राजनांदगांव जिले के सांसद संतोष पांडे सम्मिलित हुए। सांसद संतोष पांडे ने कहा मैं खुद फार्मासिस्ट परिवार से आता हूं और फार्मासिस्ट बुलाएं और मैं वहां ना आऊं ऐसा हो नहीं सकता।

कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्रा ने की। अध्यक्ष श्री मिश्रा ने अपने उद्बोधन में बताया कि छत्तीसगढ़ में रहने वाले फार्मासिस्टों के ज्ञान उन्नयन के लिए कार्यशाला सभी जिलों में करने की तैयारी है। इसी तारतम्य में यह कार्यशाला राजनांदगांव जिले में रखी गई है। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राजनांदगांव जिले के फार्मासिस्टों के ज्ञान उन्नयन करना है। छत्तीसगढ़ फार्मेसी काउंसिल के उपाध्यक्ष राहुल तिवारी ने बताया कि काउंसिल के अध्यक्ष, रजिस्ट्रार सभी सदस्यों के साथ मिलकर फार्मासिस्टों के हितों के लिए लगातार कार्य कर रहा है। बहुत जल्द फार्मासिस्टों के लिए ऑनलाइन पंजीयन की सुविधा छत्तीसगढ़ फार्मेसी काउंसिल प्रारंभ करने वाला है, जिससे सभी फार्मेसिस्ट घर बैठे अपना पंजीयन ऑनलाइन कर सकेंगे।

काउंसिल के रजिस्ट्रार अश्वनी गुर्देकर ने सफ्ल आयोजन के लिए संस्कार सिटी कॉलेज आफ फार्मेसी, राजनांदगांव जिला दवा संघ सहित सभी फार्मासिस्टों को धन्यवाद दिया। खाद्य एवं औषधि उपसंचालक प्रशासन बसंत कौशिक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दवाईयां के रखरखाव, नियम कानून संबंधित टिप्स दिए।

कार्यक्रम में फार्मासिस्टों के ज्ञान उन्नयन के लिए वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ केमिस्ट एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन महासचिव अविनाश अग्रवाल ने नारकोटिक्स ऐंड साइक्रोपिक ड्रग लिस्ट ऐंड प्रीकॉशंस विषय पर, संजय सिंह झाडेकर (एडीसी) बेसिक ऐंड लेटेस्ट अपडेट इन एफ्डी, रिलेटेड टू ड्रग स्टोर विषय पर, डॉ. अमित रॉय प्रिंसिपल एवं प्रोफेसर सीएसआईटी दुर्ग बी फार्मा (प्रैक्टिस) कोर्स, एन ऑप्शन टू अपग्रेड मलिफिक्रेशन ऑफ डी फार्मा विषय पर व्याख्यान दिये।

कार्यशाला में प्रमुख रूप से एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्य विजय पारख, निकेश देवांगन, पीसीआई प्रतिनिधि डॉ. आनंद महलवार, सदस्य परमानंद पटेल, छत्तीसगढ़ केमिस्ट एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स के उपाध्यक्ष विनोद चंद्राकर, रॉयल कॉलेज ऑफ फार्मेसी रायपुर के डायरेक्टर तोशन चंद्राकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजनांदगांव जिला दवा संघ के पूर्व अध्यक्षद्वय दशरथ शर्मा एवं अतुल जैन ने किया। कार्यक्रम के समापन में संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ टी. कुमार ने कार्यशाला में सम्मिलित सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी फार्मासिस्टों को प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यशाला को लेकर फार्मासिस्टों में जबरदस्त उत्साह देखा गया।

सार समाचार

शराब दुकान के पास खड़ी बाइक पार

रायपुर(समय दर्शन)। भाठागांव स्थित देशी शराब दुकान के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दी। प्रार्थी की शिकायत पर पुरानी बस्ती पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मिथलेश यादव 32 वर्ष ग्राम घुसडीह थाना उतई दुर्ग का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी यहां रायपुर आया था, तब अपनी बाइक क्रमांक सीजी 07 एडब्लू 0823 को भाठागांव स्थित देशी शराब दुकान के पास खड़ी किया था, जिसे अज्ञात चोर ने पार कर दी। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 30 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर पुरानी बस्ती पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सरेआम शराब पीते सात पकड़ाए

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार खम्हारडीह पुलिस ने कचना मेन रोड किनारे सरेआम शराब पीते आरोपी उमेश वर्मा 27 वर्ष एवं सरस्वती नगर पुलिस ने आरोपी शत्रुहन सारथी 28 वर्ष व मनीश कुमार सुरमणिक 34 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी अली खान 48 वर्ष, माना पुलिस ने आरोपी सुमित अग्रवाल 33 वर्ष, आरंग पुलिस ने आरोपी राकेश बंजारे 30 वर्ष व अभनपुर पुलिस ने आरोपी तुलसीराम तारक 29 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

कलेक्टर ने उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम-सभी के लिए शिक्षा ली बैठक

कम पढ़े-लिखे लोगों को बनाएंगे डिजिटल साक्षर, ऑनलाइन होगी परीक्षा

रायपुर(समय दर्शन)। जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम-सभी के लिए शिक्षा की बैठक ली। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है। इसमें विभिन्न विभागों से समन्वय कर कार्यक्रम को गति दिया जाए। साथ ही डेटा एंट्री का काम भी करें। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका जैसे मैदानी अमला द्वारा सर्वे का कार्य पूर्ण किया जाए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 30 हजार लोगों को साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सर्वेक्षण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। इसमें 15 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को साक्षर बनाने प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिले में इसका सर्वे किया जाएगा। इसके लिए 200 घंटे की पढ़ाई कराई जाएगी। साक्षर बनाने के लिए वित्तीय साक्षरता, कानूनी साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, आपदा प्रबंधन, व्यवसायिक कौशल, बाल देखभाल एवं शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार जैसे विषयों पर जागरूक किया जाएगा।

आवास को लेकर राज्य सरकार करे श्वेत पत्र जारी : बैज

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि साय सरकार 18 लाख आवास पर श्वेत पत्र जारी करे। भाजपा सरकार बनने के बाद 18 लाख आवास स्वीकृत होने का दावा किया गया था जबकि सच्चा यह है कि 18 लाख आवास में से अब तक एक भी आवास स्वीकृत नही हुआ है।साय सरकार गरीबो को आवास देने के नाम से धोखाधड़ी की है ।जो भी आवास बने है और जो बन रहे है वो कांग्रेस सरकार के दौरान स्वीकृत हुए थे। केन्द्र की मोदी सरकार ने छत्तीसगढ़ सरकार के प्रधानमंत्री आवास के मकानों की संख्या को स्वीकृति ही नही दिया है। राज्य सरकार खुद ही संख्या की घोषणा कर अपनी पीठ थपथपा रही है। कांग्रेस मांग करती है कि सरकार के दावों में सच्चाई है तो स्वीकृत आवास हीनों के नाम सार्वजनिक किया जाये। मोदी सरकार बताये 18 आवासों में से कितने आवास केंद्र स्वीकृत किया? मोदी सरकार ने राज्य के 18 लाख आवासों में से 1 मकान की भी स्वीकृति नहीं दिया।18 लाख प्रधानमंत्री आवास का दावा करने वाली भाजपा सरकार ने अभी तक एक भी हितग्राही के खाते में एक रू. भी नहीं डाला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार के प्रधानमंत्री आवास केवल सरकारी विज्ञापनों और होर्डिंग में ही दिखते रहे है, हकीकत में भाजपा सरकार के आने के बाद एक भी हितग्राही के लिये आवास स्वीकृत नहीं हुआ है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश सरकार ने आवासहीनों के खाते में पहली किश्त डाली थी। उसके बाद भाजपा सरकार ने एक भी रू. नहीं भेजा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पीएम आवास योजना 2015 में लागू हुई तब केंद्र और राज्य दोनों जगह बीजेपी की सरकार थी। 2011 के जनगणना को आधार मानकर छत्तीसगढ़ के लिए कल 18 लाख आवास का लक्ष्य तय किया गया था। 2015 से 18 तक रमन सरकार के दौरान मात्र 237000 ग्रामीण पीएम आवास तथा 19000 शहरी पीएम आवास बने।

महारानी दुर्गावती जनजातीय गौरव का प्रतीक, उनका देश प्रेम हमें प्रेरणा से भर देता है - मुख्यमंत्री

महारानी दुर्गावती बलिदान दिवस के अवसर पर राजमोहिनी देवी सभा भवन, अंबिकापुर में आयोजित परिचर्चा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया संबोधन

रायपुर(समय दर्शन)। महारानी दुर्गावती जनजातीय गौरव का प्रतीक हैं। उनका देश प्रेम और संघर्ष हम सबको प्रेरणा से भर देता है। यह बात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महारानी दुर्गावती बलिदान दिवस के अवसर पर राजमोहिनी देवी सभा भवन, अंबिकापुर में जनजाति गौरव समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर महारानी दुर्गावती के बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार जनजातीय गौरव की भावना को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महारानी दुर्गावती का भव्य स्मारक जबलपुर में तैयार कराया गया है। देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जनजातीय समाज से हैं। उनका इस सर्वोच्च पद में आसीन होना जनजातीय समाज के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने माँ महामाया को नमन करते हुए कहा कि रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के मौके पर जनजातीय गौरव समाज ने बहुत ही अच्छा कार्यक्रम किया है। मैं सौभाग्यशाली हूँ कि इस अवसर आपके बीच हूँ।

बोलने से पहले तथ्य जान लें पूर्व मुख्यमंत्री, क्या प्रदेश को अशांत करना कांग्रेस की मानसिकता है-राजेश मूणत

रायपुर(समय दर्शन)। बलौदाबाजार की घटना को लेकर सियासी वार-पलटवार जारी है. भूपेश बघेल के आरोपों पर विधायक राजेश मूणत ने पलटवार करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हैं, बोलने से पहले तथ्य जान लें. क्या प्रदेश को अशांत करना कांग्रेस की मानसिकता है. यही पूर्व मुख्यमंत्री बोलते थे कि झीरम के दस्तावेज मेरे जेब में हैं. पांच साल सरकार में रहने के बाद झीरम के दस्तावेज नहीं निकल पाए विधायक राजेश मूणत ने पूर्व मुख्यमंत्री के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि वोट की राजनीति, जाति-दलों में बांटकर राजनीति करना, क्या कांग्रेस की सोच है. हमेशा कांग्रेस पार्टी न्यूसेंस वाले पक्ष में क्यों खड़ी होती है. अगर श्वष्ठ वाले भ्रष्टाचारियों को पकड़ते हैं, तो कांग्रेस उनके पक्ष में खड़े हो जाती है. कांग्रेसी क्या योजनाबद्ध तरीके से अशांति फैलाना चाहती है. यह पूर्व मुख्यमंत्री को सोचना चाहिए. वहीं बिजली बिल मामले में कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर राजेश मूणत ने कहा कि पांच साल में जनता ने निपटा दिया, अब आराम करो. साय मंत्रिमंडल में मंत्रियों की नियुक्ति को लेकर राजेश मूणत ने कहा कि मंत्री पार्टी का कार्यकर्ता ही बनेगा. चिंतामुक्त रहो. वहीं मंत्रियों की नियुक्ति के बाद भाजपा में घमासान मचने वाले कांग्रेस के बयान पर मूणत ने कहा कि कांग्रेस पहला अपना घर देखे, जिस घर के अंदर छप्पन टुकड़े हुए हैं. अपने गिरेबान में झांको, फिर दूसरे के घर में. शारदा चौक चौड़ीकरण मामले में राजेश मूणत ने कहा कि फेटो छपाते-छपाते सरकार चली गई, महापौर भी जाते-जाते फेटो छपाते चले जाएंगे. 4 करोड़ देकर 139 करोड़ का सर्वे किया. मैंने पहले आरोप लगाया था कांग्रेस के कार्यकाल में एक काम रायपुर में नहीं है. कांग्रेस ने केवल भूमिपूजन किया है, कोई काम धरातल नहीं, कोई पर प्लानिंग नहीं. तात्यापारा चौड़ीकरण के नाम पर 4 करोड़ का प्रावधान किया, लेकिन कहां कितना मुआवजा किस मद से मिलेगा तय नहीं किया।

युवक पर नुकीली चीज से हमला

रायपुर(समय दर्शन)। ग्राम सांकरा में शराब पीने के लिए पैसा नहीं देने पर एक युवक ने दूसरे युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रिंकू सिंह 41 वर्ष ग्राम सांकरा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी आयूष ने प्रार्थी के बेटे कुलविंदर सिंह से शराब पीने के लिए पैसा मांगा। कुलविंदर द्वारा पैसे नहीं देने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर नुकीली चीज से मारकर चोट पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 327 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

छत्तीसगढ़ राज्य दत्तक ग्रहण अभिकरण की बैठक सम्पन्न

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण की शासी निकाय की बैठक आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव तथा दत्तक ग्रहण अभिकरण की शासी निकाय की अध्यक्ष श्रीमती शम्मी आबिदी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में वर्ष 2023-24 तथा 2024-25 में दत्तक ग्रहण प्रकरणों की समीक्षा की गई। बैठक में बाल कल्याण समितियों में दत्तक ग्रहण से संबंधित प्रकरणों, शिशु स्वागत पालना केन्द्रों की स्थापना आदि की विस्तृत समीक्षा की गई। श्रीमती आबिदी ने दत्तक ग्रहण अभिकरण द्वारा दत्तक ग्रहण योग्य बालकों के मेडिकल परीक्षा रिपोर्ट हेतु स्पेशल सेल गठित किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर शिशु स्वागत पालना केन्द्र स्थापित नहीं किये गये हैं, ऐसे स्थानों पर शीघ्र शिशु स्वागत पालना केन्द्र स्थापित किया जाए। जिससे कि दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण हो सके। अध्यक्ष श्रीमती आबिदी ने दत्तक ग्रहण विनियम 2022 के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सदस्यों को जानकारी दी गई कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में 76 बच्चों तथा 2024-25 में माह मई तक 11 बच्चों को दत्तक ग्रहण दिया गया। उन्होंने कहा कि दत्तक ग्रहण योग्य बालकों को दत्तक ग्रहण के लिए वैधानिक रूप से मुक्त किये जाने तथा दत्तक ग्रहण आदेश समय पर जारी किया जाए। बैठक में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, स्वास्थ्य विभाग, बाल कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत सिविल सोसायटी के सदस्य, विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण के प्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी शामिल हुए।

भाजपा नेता आर अशोका, अन्य पार्टी नेताओं के साथ बेंगलुरु के ओल्ड सेंट्रल कॉलेज, फ्रीडम पार्क में आपातकाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

दोस्त और प्योर संस्था का युवा लीडरशीप प्रोग्राम संपन्न

रायपुर(समय दर्शन)। आज एक निजी सेमिनार हाल में प्योर और दोस्त की टीम के द्वारा युवा लीडरशीप प्रोग्राम का आयोजन किया गया. इस प्रोग्राम में विभिन्न विद्यालय और विश्वविद्यालय के चुने हुए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया . मैटस यूनिवर्सिटी के अन्नया चटर्जी और रविशंकर विश्वविद्यालय के पुजा सोनी ने मिलकर इस प्रोग्राम को कोआर्डिनट किया। रविशंकर विश्वविद्यालय के बीए एल एल बी के छात्रा संस्कृति सिंह ने सामुहिक संवाद में अपने विचार बताते हुये कहा कि हम युवाओं को अपने कैरियर के साथ सामूहिक ज़िम्मेदारी की भावना को लेकर छोट छोटे प्रयोग करने चाहिए। बीआईटी सेन्द्री धनबाद से आये टेक्नोलॉजी स्टूडेंट हर्ष कश्यप ने सभी कालेज और विश्वविद्यालय में इस प्रकार के इंटरएक्टिव प्रोग्राम की ज़रूरत पर प्रकाश डाला। एक प्राईवेट कंपनी में काम करने वाले युवा उद्यमी हर्ष मटरानी ने लगातार सुधार के साथ ऐक्सिलेंस की आवश्यकता बताई। युवा छात्र निखिलेश चटर्जी, होनेशा ठाकुर , श्रेया ठाकुर और नवया चंद ने असफ्लता का सकारात्मक तरीक़े से लेने के बाबत कहा कि इसी स्टार्टअप में सफ्लता मिलती है। कार्यक्रम में स्पीकर के रूप में डॉ सत्यजीत साहू, सुनील शर्मा, डॉ संगीता कौशिक, स्वाती देवांगन, सुरज दुबे , संजय चटर्जी, कमलेश चंद आपने वक्तव्य सबके सामने प्रस्तुत किये।

रायपुर में हुए जूनियर मिस इंडिया 2025 के ऑडिशन, 50 से ज्यादा बालिकाओं ने किया रैम्प वाक

रायपुर (समय दर्शन)। जूनियर गर्ल्स में आत्मविश्वास जगाकर उनका हौसला बढ़ाने वाला बहुप्रतीक्षित फैशन इवेंट जूनियर मिस इंडिया 2025 सीजन 3 के ऑडिशन 23 जून, रविवार को रायपुर में सफ्लता पूर्वक संपन्न हुए, जहाँ 50 से अधिक बालिकाओं ने रैम्प वाक किया और अपनी खूबसूरती और मासूमियत से जजों को मोहित कर लिया। 5 से 16 वर्ष तक की बेटियों के लिए आयोजित इस भव्य फैशन इवेंट के ऑडिशन रायपुर सिटी सेंट्रल मॉल में 11 बजे से 4 बजे किए गए थे। इनमें शामिल होने के लिए प्रतिभागियों ने www.juniormissindia.com पर रजिस्ट्रेशन कराया था। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के अलावा ऑनस्पॉट ऑफ्लाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी उपलब्ध थी।

जूनियर मिस इंडिया 2025 सीजन 3 का आयोजन माय सिटी इवेंट्स इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा किया जा रहा है। इसकी सीईओ मृदुला सोनी ने बताया कि देश भर के लगभग सभी राज्यों की बेटियों को फैशन, एक्टिंग और मॉडलिंग में करियर बनाने का अवसर देने के लिए 25 शहरों में सीजन 3 के ऑडिशन किए जा रहे हैं। भुवनेश्वर और लखनऊ में ऑडिशन हो चुके हैं जबकि 23 जून 2024 को कोलकाता और रायपुर में हुए। हर वर्ष इस फैशन इवेंट के लिए हजारों रजिस्ट्रेशन होते हैं। कड़ी स्पर्धा के बाद ग्रैंड फिनाले के लिए 120 फाइनलिस्ट का चयन किया जाता है और फिर चार कैटेगरी में 12 विनर्स को चुना जाता है। डाईटिशियन एंड वेलनेस एक्सपर्ट शिल्पी गोयल, पेरेंटिंग कोच एंड फैशन डिज़ाइनर मनीषा अग्रवाल, कविता राठी और आकृति अग्रवाल बच्चों की परफॉरमेंस को जज करने के लिए एवं उनका उत्साहवर्धन करने के लिए ज्यूरी में शामिल हुई।

जिंदगी भर का हौसला देने वाली ट्रेनिंग, 50 से ज्यादा पार्टिसिपेंट्स फिल्म और सीरियल्स में- माय सिटी इवेंट्स इंडिया कॉर्पोरेशन की सीईओ मृदुला सोनी ने कहा कि यह इवेंट सिर्फ एक कॉम्पिटिशन नहीं है, बल्कि एक ऐसा ट्रेनिंग सेशन होता है जो गर्ल्स चाइल्ड को जिंदगी भर का हौसला देता है। जूनियर मिस इंडिया 2025 प्रोत्साहन देने वाला एक बड़ा मंच है क्योंकि इसकी तैयारी के दौरान उन्हें मॉडलिंग, रैंप वॉक, कम्युनिकेशन स्किल्स, डांसिंग, एक्टिंग, लैंग्वेज कमांड, बिहेवियर कंट्रोल, पर्सनल ग्रूमिंग और पर्सनालिटी डेवलपमेंट के साथ कई तरह की ट्रेनिंग दी जाती है। पार्टिसिपेंट्स को फिल्म एक्टर्स, मॉडल्स और फैशन इंडस्ट्री की हस्तियों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। यही कारण है कि इसमें शामिल होने वाले 50 से ज्यादा पार्टिसिपेंट्स आज विभिन्न प्रोडक्शन हाउस, फिल्मों और सीरियल्स में काम कर अपना और परिवार का नाम रोशन कर रहे हैं। यह इवेंट मॉडलिंग और एक्टिंग में करियर बनाने की चाह रखने वाले पार्टिसिपेंट्स के लिए यह अनूठा मौका होता है।

नए आर्टिस्ट को हर वर्ष अवार्ड भी- गौरतलब है कि माय सिटी इवेंट्स इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा उपलब्ध करवाए जा रहे विभिन्न प्लेटफॉर्म के माध्यम से अब तक सैकड़ों पार्टिसिपेंट्स को फैशन और मॉडलिंग के क्षेत्र में जगह मिली है। इंडस्ट्री में काम करने वाले यंगस्टर्स को सम्मानित करने के लिए इंडियन यंग सेलिब्रिटीज इंफ्लूएंसर अवार्ड्स भी हर साल दिए जाते हैं। पिछले वर्ष करीब 30 आर्टिस्ट्स को ये अवार्ड दिए गए थे। इस वर्ष सीजन 3 में भी कई आर्टिस्ट्स को ये अवार्ड प्रदान किए जाएंगे।

एचडीएफसी बैंक के 'विजिल आंटी-एंड ऑफस्कैम सेल' अभियान ने कान्स लायंस में सिल्वर जीता

मुंबई, : भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने 'विजिल आंटी-एंड ऑफ स्कैम सेल' (ईओएसएस) अभियान के लिए कान्स लायंस 2024 में सिल्वर जितने की घोषणा की है। अभिनेत्री नोरा फतेही और विजिल आंटी ने इस सोशल मीडिया अभियान में अभिनय किया है। इस अभियान ने अब तक 28 मिलियन से अधिक लोगों तक पहुंच और 22 मिलियन से अधिक व्यू प्राप्त किए हैं। विजिल आंटी एक काल्पनिक सोशल मीडिया चरित्र है जिसे एचडीएफसी बैंक ने डिजिटल धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए बनाया है। एचडीएफसी बैंक ने अपने ईओएसएस अभियान के हिस्से के रूप में अभिनेत्री नोरा फतेही की स्टार पावर का उपयोग धोखेबाजों के तौर-तरीकों को दोहराने और लोगों को इस बात से अवगत कराने के लिए किया कि कैसे कोई आसानी से डीपफेक और धोखाधड़ी के लिए अतिसंवेदनशील हो सकता है। बैंक ने एक नकली ब्रांड बनाया और दर्शकों को 'लुलुमेलॉन' के लिए एक इंस्टाग्राम पेज बनाकर इसकी वैधता पर विश्वास दिलाया, जिससे यह रोमांचक ऑफ़र और डील के साथ एक वास्तविक ब्रांड की तरह लगने लगा। इस अभियान को 'इवेंट्स एंड स्टंट्स' के बेहतरीन उपयोग के लिए प्रतिष्ठित कान्स लायंस में मान्यता दी गई। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर और हेड - डायरेक्ट टू कंज्यूमर बिजनेस, रवि संथानम ने कहा, हमारे धोखाधड़ी जागरूकता अभियान के लिए कान्स लायंस जीतना इस मुद्दे के बारे में जागरूकता फैलाने की हमारी प्रतिबद्धता को और बढ़ाता है, ताकि ग्राहक डिजिटल धोखाधड़ी का शिकार होने से बच सकें। यह मान्यता हमारे एजेंसी पार्टनर्स, एफसीबीकिनेक्ट की असाधारण रचनात्मक प्रतिभा का प्रमाण है। साथ मिलकर काम करते हुए हम एक अभिनव दृष्टिकोण के साथ एक प्रभावशाली अभियान बनाने को लेकर बहुत ही प्रसन्न हैं। हमारे लिए, एक प्रासंगिक कारण के लिए शक्तिशाली कहानी सुनाना संतुष्टिदायक था और हम इस मुद्दे के बारे में अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एचडीएफसी बैंक के एसवीपी और डिजिटल मार्केटिंग प्रमुख जाहिद अहमद ने कहा, हमें उद्योग के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार कान्स लायंस के विजेताओं में शामिल होने पर खुशी है।

संपादकीय

दोषारोपण के बजाए जिम्मेदाराना रवैया अपनाना होगा

पश्चिम बंगाल में जलपाईगुड़ी के पास खड़ी कंचनजंगा एक्सप्रेस में पीछे से मालगाड़ी के टक्कर मार देने की घटना वाकई तकलीफदेह है। इस हादसे में रेलवे के अनुसार नौ लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हैं। हालांकि अंदाजा है कि जितनी मौतें बताई जा रही हैं, इससे कहीं ज्यादा लोग मारे गए हैं। हादसे में तीन बोगियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई। तीन बोगियां पटरी से ही उतर गई और कई हवा में लहरा गई। यह टक्कर बहुत जोरदार थी। कहा जा रहा है कि ऑटोमैटिक सिग्नल खराब होने के कारण कंचनजंगा एक्सप्रेस दो स्टेशनों के बीच रुकी रही। रेलवे का कहाना है कि मालगाड़ी का चालक तय मानक गति से ज्यादा स्पीड पर ट्रेन चला रहा था। उसने सिग्नल की अनदेखी की, जबकि नियमानुसार उसे खराब सिग्नलों को तेजी से नहीं पार करना था। साथ ही हर खराब सिग्नल पर एक मिनट के लिए ट्रेन को रोका जाना चाहिए और दस किलोमीटर की रफ्तार से ही आगे बढना चाहिए। हालांकि उस चालक की मौके पर ही मौत हो गई। इस पर रेल संगठन द्वारा आपत्ति भी जताई गई कि जांच के बगैर चालक को हादसे का जिम्मेदार ठहराना अनुचित है। हादसे के बाद रेलवे द्वारा तैयार ट्रेन से जुड़े हादसों को रोकने के लिए कवच सिस्टम की याद आई है, जिससे एक ही ट्रैक पर ट्रेनों की टक्कर से बचा जा सकता है। यह अत्याधुनिक ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटक्शन सिस्टम है। ओडिशा के बालासोर में हुए हादसे के बाद इस कवच सिस्टम को लागू करने की बातें खूब की गई थीं। हैरत है, इतना वक्त बीतने के बाद भी उसे केवल साउथ सेंट्रल रेलवे के कुछ रूट में ही लगाया जा सका है। इसे सीधे तौर पर सरकारी तंत्र की लापरवाही ही माना जाएगा। रेल मंत्रालय के अनुसार इस पर काम चल रहा है, मगर जब हमारे पास इतनी बेहतरीन प्रणाली मौजूद है तो उसे लागू करने में किस स्तर की ढिलाई बरती गई, जानना भी जरूरी है। यदि यह हादसा मानवीय भूल है तो भी जरूरत से ज्यादा या नियमों की अनदेखी करते हुए बढ़ाई गयी रफ्तार के लिए अन्य संबंधित विभाग भी कम जिम्मेदार नहीं हो सकते। रेल परिवहन टीम वर्क है। इसके लिए दोषारोपण के बजाए जिम्मेदाराना रवैया अपनाया जाना चाहिए। आधुनिक तकनीक और बेहतरीन पग्रालियों के युग में इस तरह की दुर्घटनाओं से रेलवे की साख गिरने बचाने के प्रयास किया जाना जरूरी है। क्योंकि ऐसी घटनाओं से न केवल जनता का विश्वास डगमगाएगा, बल्कि रेलवे की कमाई पर भी असर पड़ेगा।

लोकसभा के सत्र नई उम्मीदों को पंख लगाये

ललित गर्ग

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है। वैसे भी वह पहले ही सत्ता पक्ष के गठबंधन के सहयोगियों को लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के लिए उकसाने में लगा हुआ है एवं वहीं स्वयं के लिये लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की मांग कर रहा है। विपक्ष ने प्रोटेम अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा नीट-यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने एवं संसदीय कार्रवाई को बाधित करने की रणनीति बनाई है, जिससे पहले दिन ही हंगामे के परिदृश्य देखने को मिल रहे हैं। बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की ओर से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही के नाम पर विपक्ष संसद में हंगामा और अव्यवस्था पैदा करना उचित समझता आ रहा है, उसके तेवर इस बार ज्यादा ही उग्र एवं उत्तेजिक दिख रहे हैं, जो संसदीय परम्परा के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद चाहे जिस दल के हो, उनसे शालीन एवं सभ्य व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। लेकिन सांसद अपने दूषित एवं दुर्जन व्यवहार से संसद को शर्मसार करते हैं तो यह लोकतंत्र के सर्वोच्च मन्दिर की गरिमा के प्रतिकूल है। संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है। यदि वहां भी शालीनता, मर्यादा एवं सभ्यता का भंग होता है तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के गौरव का आहत होना निश्चित है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद भारत की संसद यदि सभ्य एवं शालीन दिखाई न दे तो ये स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण ही कही जायेगी। एक बार फिर ऐसी ही त्रासद स्थितियों से रू-ब-रू होने की स्थितियां बनना एक चिन्तनीय प्रश्न है। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है कि वहां विभिन्न मुद्दे उठाए जाएं बल्कि इसमें है कि उन पर गंभीर एवं शालीन तरीके से चर्चा होकर राष्ट्रहित में प्रभावी निर्णय लिये जाये। दुर्भाग्य से संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर ऐसी कोई चर्चा कठिनाई से ही होती है जिससे देश को कोई दिशा मिल सके और समस्याओं के समाधान खोजे जा सके। उचित यह होगा कि संसद में दोनों ही पक्ष संसदीय कार्यवाही के जरिये एक उदाहरण पेश करें, नयी संभावनाओं एवं सौहार्द का वातावरण बनाते हुए नई उम्मीदों एवं संकल्पों के सत्र के रूप में इस सत्र एवं आगे के सत्रों का संचालन होने दें।

अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र को लेकर उत्सुकता एवं कुतूहल का वातावरण पक्ष-विपक्ष के नवनिर्वाचित सांसदों में ही नहीं, बल्कि आम जनता में भी है। गठबंधन की स्थितियों के कारण यह लोकसभा पिछली लोकसभा से भिन्न होगी। इस बार विपक्ष का संख्या बल कहीं अधिक है और सत्तापक्ष गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहा है। यद्यपि यह गठबंधन सरकार अतीत की गठबंधन सरकारों से भिन्न है, क्योंकि उसका नेतृत्व करने वाला दल यानी भाजपा बहुमत से कुछ ही पीछे है। इसके बावजूद संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिल सकता है। इस टकराव के आसार भी उभर आए हैं, क्योंकि विपक्ष को प्रोटेम स्पीकर के नाम पर आपत्ति है। विपक्षी इंडिया गठबंधन की मानसिकता संसदीय सत्रों में देश-विकास की योजनाओं पर निर्णय में सहभागिता से अधिक सत्ता पक्ष को घेरने एवं सरकार के कामकाज को बाधिक करने की ही अधिक दिखाई दे रही है। यह निश्चित है कि सार्वजनिक जीवन में सभी एक विचारधारा, एक शैली व एक स्वभाव के व्यक्ति नहीं होते। अत: आवश्यकता है दायित्व के प्रति ईमानदारी के साथ-साथ आपसी तालमेल व एक-दूसरे के प्रति गहरी समझ एवं सौहार्द भावना की। जनता के विश्वास पर खरे उतरते हुए नये भारत-सशक्त भारत को निर्मित करने की। राजनीतिक दल द्वंद्व, एक दूसरे की आलोचना एवं विरोध की स्थितियां चुनाव के मैदान तक सीमित करें, उन्हें संसद तक न लाये। संसद में तो सभी दल मिलकर राष्ट्र-निर्माण का काम करें। एक सांसद के साथ दूसरा सांसद जुड़े तो लगे मानो स्वेटर की डिजाईन में कोई रंग डाला हो। सेवा एवं जनप्रतिनिधित्व का क्षेत्र मोजॉयक है, जहां हर रंग, हर दाना विविधता में एकता का प्रतिक्षण बोध करवाता है। अगर हम सांसदों में आदर्श स्थापित करने के लिए उसकी जुझारू चेतना को विकसित कर सकें तो निश्चय ही आदर्शविहिन असंतुष्टों की पंक्ति को छोटा कर सकेंगे और ऐसा करके ही संसद को गरिमापूर्ण मंच बना पायेंगे।

नरेन्द्र मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटे हैं। मोदी का लोकसभा सदस्य एवं प्रधानमंत्री के रूप में यह तीसरा कार्यकाल है। उन्होंने वाराणसी सीट बरकरार रखी, जिसे वे 2014 से जीतते आ रहे हैं। पहली बार नए संसद भवन में शपथग्रहण हुआ। भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसा दूसरी बार है कि जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार शासन करने का अवसर दिया है। ये मौका 60 साल बाद आया है। अगर जनता ने ऐसा फैसला किया है तो उसने सरकार की नियत पर मुहर लगाई है। उसकी नीतियों पर मुहर लगाई है। जनता के फैसले का स्वागत होना चाहिए, लेकिन ऐसा न होना संसद के साथ-साथ भारत के लिये परेशानी का कारण है। आज भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने के साथ अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने की ओर गतिशील है। भारत की बात दुनिया बड़ी ध्यान से सुनती है, वही दुश्मन देश भारत पर तिरछी नजर डालने से पहले सौ बार सोचते हैं, यह भारत की बड़ी ताकत का द्योतक है, जिसे पक्ष एवं विपक्ष मिलकर सहेजे और नये आयाम उद्घाटित करें। इन विषयों पर गंभीर चिन्तन-मंथन की संसद के पटल पर अपेक्षा है। जबकि निश्चित ही छोटी-छोटी बातों पर अभद्र एवं अशालीन शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि घटनाओं का संसद के पटल पर होना दुखद, त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण है। इससे संसद की गरिमा एवं मर्यादा को गहरा आघात लगता है। यह सिलसिला बंद होना चाहिए। जहां विपक्ष का यह दायित्व है कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर सरकार से जवाब तलब करे वहीं सत्तापक्ष की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए तैयार रहे। यदि ऐसा नहीं होता तो यह निराशाजनक ही होगा।

राष्ट्रीय चरित्र का दिन-प्रतिदिन नैतिक ह्रास हो रहा है। हर गलत-सही तरीके से हम सब कुछ पा लेना चाहते हैं। अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए कर्त्तव्य को गौण कर देते हैं। इस तरह से जन्मे हर स्तर के अशालीन एवं असभ्य व्यवहार से राष्ट्रीय जीवन में एक विकृति पैदा होती है, संसद को ही दूषित कर दिया जाता है, अठारहवीं लोकसभा के सभी सत्र इस त्रासदी से मुक्त हो, यह अपेक्षित है। विपक्षी सांसदों की यह कैसी त्रासद मानसिकता है कि वे सब चाहते हैं कि हम आलोचना करें पर काम नहीं करें। हम गलतियां निकालें पर दायित्व स्वीकार नहीं करें। जरूरत इस बात की भी है कि संसद को शुद्ध सांसें मिले, संसदीय जीवन जीने का शालीन, मर्यादित एवं सभ्य तरीका मिले।

मंत्रिमंडल में अनुभवी व्यक्ति समाधान कर लेंगे

अवधेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल के बारे में यह टिप्पणी उचित नहीं लगती कि इसके पीछे गठबंधन दलों के साथियों का बहुत ज्यादा दबाव है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में शीर्ष स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और यहां तक कि सड़क परिवहन, रेल तथा शिक्षा मंत्री भी पूर्व सरकार के ही हैं। विरोधी मोदी को तानाशाह या लोकतंत्र विरोधी की उपाधि देते रहे हैं। उनकी आलोचना अभी भी जारी है और वे कह रहे हैं कि मोदी गठबंधन सरकार नहीं चला पाएंगे क्योंकि उनका स्वभाव ही गैर लोकतांत्रिक है। इस तरह की विरोधी आलोचनाओं पर टिप्पणी करने की जगह हमें समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए। यह बात सही है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2001 से अभी तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में कभी बहुमतविहीन सरकार नहीं चलाया। वह जिस तरह बड़े कठोर निर्णय साहस के साथ करते रहे हैं उनका ध्यान करते हुए अनेक लोगों का मानना है कि यह स्वभाव गठबंधन सरकार चलाने के रास्ते की बाधा बन जाएगा। गठबंधन सरकार को लेकर लोग आशंकाएं उठाएंगे, लेकिन मोदी के अंदर सरकार चलाने तथा काम करने की इच्छा है। वैसे मंत्रिमंडल गठन से लेकर विभागों के बंटवारे तक यह कहना कठिन है कि प्रधानमंत्री दबाव में काम कर रहे हैं। थोड़े शब्दों में कहें तो मोदी का 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल भारत के भविष्य को लेकर उनकी योजनाओं, राजनीतिक आवश्यकताओं, साथी दलों के बीच संतुलन बनाने के साथ अनुभव, उम्र आदि के बीच समन्वय बनाने की कोशिश है। पिछली सरकार के 37 मंत्री इसमें हैं। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की स्वास्थ्य मंत्री के रूप में वापसी हुई है। सहयोगी दलों में हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री 78 वर्षीय जीतन राम मांझी, जद (यू) के राजीव रंजन सिंह, तेलुगू देशम के 36 वर्षीय के राममोहन नायडू, लोजपा के 41 वर्षीय चिराग पासवान और 37 साल की रक्षा खड्से जैसी सरकार की सबसे युवा मंत्री को आधार बनाएं तो कैबिनेट का चेहरा आपकी समझ में आ जाएगा। पिछली सरकार में केवल तीन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के थे। इस बार इनकी संख्या 5 हो गई है। इनमें हरियाणा से रविंदरजीत सिंह, जम्मू-कश्मीर से जितेंद्र सिंह और राजस्थान से अर्जुन राम मेघवाल की स्थिति पिछले सरकार के समान है। उत्तर प्रदेश से रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्यमंत्री बनाया गया है। पिछली बार 29 राज्य मंत्री थे, इस बार 36 हैं। मंत्रिमंडल में पांच पूर्व मुख्यमंत्री हैं। 33 मंत्री पहली बार केंद्र सरकार का हिस्सा बने हैं जिनमें सात सहयोगी दलों के हैं। इससे आगे सामाजिक संतुलन की दृष्टि से देखें तो पिछड़ी जातियों के 27, अनुसूचित जाति के 10, अनुसूचित जनजाति के पांच और अल्पसंख्यक समुदाय के पांच मंत्री बनाए गए हैं। इस तरह पिछड़ा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक समुदाय के 47 मंत्री हुए। देशव्यापी प्रतिनिधित्व की दृष्टि से देखें तो इनमें 24 राज्यों का प्रतिनिधित्व है। पंजाब से भाजपा का कोई सांसद नहीं है, लेकिन रवनीत सिंह बिट्टू को राज्य मंत्री बनाया गया है।

उत्तर प्रदेश के परिणाम को देखते हुए माना जा रहा था कि वहां से कम मंत्री होंगे, लेकिन 10 मंत्री बनाए गए हैं और बिहार से आठ। सात महिलाएं हैं। केरल में भाजपा की पहली बार विजई हुई है इसलिए सुरेश गोपी को मंत्री पद मिलना ही था।

भाजपा को उत्तर प्रदेश में पराजय के बोध से उबरना ही होगा

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश की जनता ने 2024 लोकसभा चुनावों में हैरान करने वाले चुनाव परिणाम दिये हैं। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में 80 में से 80 लोकसभा सीटें जीतने का नारा दिया था किंतु भाजपा गठबंधन मात्र 37 सीटों पर ही सिमटकर रह गया। भाजपा अयोध्या वाले संसदीय क्षेत्र फैजाबाद तक से हार गई जहाँ प्रभु श्रीराम दिव्य भव्य एव नव्य राम मंदिर में प्रवेश कर चुके हैं तथा विविध प्रकार के विकास कार्य चल रहे हैं । ये हार हर किसी को आश्चर्य में डाल रही है। आज भी हर तरफ यही चर्चा हो रही है कि अरे भाजपा फैजाबाद में कैसे हार गई ? आखिर क्यों, फिर यह चर्चा लंबी खिंच जाती है और भाजपा समर्थकों व शुभचिंतकों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंचने लगती हैं कि अब होगा क्या? भाजपा का हर शुभचिंतक अपने अपने स्तर पर गहन समीक्षा कर रहा है किंतु क्या बीजेपी आलाकमान व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जनमानस की चिंताओं के साथ खड़े हैं या नहीं। महिलाएं भी अयोध्या पराजय पर चर्चा कर रही हैं कि फ्री राशन, घर, शौचालय, दवाई व राम मंदिर के बाद भी भाजपा क्यों पराजित हो गई?

प्रदेश में भाजपा की पराजय के जो मुख्य बिंदु निकलकर सामने आ रहे हैं उसमें प्रत्याशियों का गलत चयन, राजग गठबंधन के नेताओं की गलत बयानबाजी, क्षत्रियों व राजपूतों की नाराजगी को हलके में ले लेना तथा मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में वोट जिहाद का हो जाना आदि तो था ही मीडिया की मानें तो संघ व भाजपा के बीच आतंरिक टकराव भी एक कारण रहा। वर्तमान समय में जब नरेंद्र मोदी सरकार के नेतृत्व में ऐसे ऐसे अदभुत कार्य हो रहे हैं जिनका प्रभाव हजार साल तक रहने वाला है उस समय संघ नेतृत्व ने इतनी बड़ी गलती क्यों कर दी? क्या वो सच ही मोदी जी का अहंकार तोड़ना चाहते थे या अपने ही पैरों में कुल्हाड़ी मार रहे थे? क्या स्वयं को मातृ संस्था कहने वालों को भी आत्मसंयम का परिचय नहीं देना चाहिए था? ये कठिन प्रश्न मीडिया और सोशल मीडिया में जंगल की आग की तरह फैल चुके हैं। इसे पूरे दावानल में आम सनातनी ठगा सा खड़ा है।

प्रदेश में भाजपा की पराजय के साइड इफैक्ट हर तरफ दिखने लगे हैं। जिन जिलों में इंडी गठबंधन के सांसद बने हैं उन जिलों में आपराधिक गतिविधियों में जबरदस्त तेजी आई है। सीतापुर जिले में नए बने कांग्रेस सांसद ने थाने में धरना देकर एक नाबालिग अपराधी को थाने से ही छुड़ा लिया। इकरा हसन के समर्थकों ने हिन्दुओं पर हमला बोला और सोनभद्र में एक हिन्दू परिवार घर छोड़ने को विवश है, ऐसी ही अनेक घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। लोकसभा चुनाव समाप्त हो जाने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों का भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यव्यहार बढ़ता जा रहा है। राजधानी लखनऊ में वाहन जांच के नाम पर भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी के साथ अभद्रता की गई यद्यपि घटना के बाद ट्रैफिक दारोगा आशुतोष त्रिपाठी को निलंबित कर दिया गया है। राकेश त्रिपाठी का कहना है कि पुलिस भाजपा का झंडा लगा देखकर वाहन को रोक रही है जब लखनऊ में भाजपा प्रवक्ता के साथ इस प्रकार की घटना घटित हो रही है तब प्रदेश के दूसरे जिलों में क्या हाल हो रहा होगा। प्रदेश का पुलिस प्रशासन अभी भी लापरवाही तथा भ्रष्टाचार में संलिप्त है तथा महिला थाने तक में पीड़ितों से रिश्वत मांगी जा रही है। हालाँकि अकबरनगर का अतिक्रमण हटाकर सरकार ने सख्त प्रशासन की अपनी छवि बचाने का प्रयास किया है।

मीडिया की मानें तो राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने उप्र के अवध क्षेत्र की सीटों पर जीतने का जोर नहीं लगाया, अगर यहाँ पर ताकत लगा दी जाती तो भाजपा की कम से कम आठ सीटें तो और बढ़ ही जातीं किंतु मेड़ ही खेत से मुँह मोड़ चुकी हो तो क्या ही कहा जाए। आम सनातनी योगी मोदी की कम सीटों से दुखी है और समाचारों में देखता है कि ये संघ के असहयोग के कारण हुआ है तो उसका मन व्यथित होता है और संघ पर दशकों से किया गया विश्वास डगमगा जाता है। अहंकार किसी का भी हो लेकिन केवल योगी या मोदी नहीं, संघ भी हारा है और अस्तित्व की लड़ाई से जूझ रहा हिन्दू भी।

लोकसभा चुनावों के मध्य भाजपा व संघ के बीच मनमुटाव के समाचारों, गलत प्रत्याशी के चयन और उससे भी आगे बढ़कर चयनित प्रत्याशी की गलतबयानी के कारण एक सबसे महत्वपूर्ण सीट हाथ से निकल गई, जिसका व्यापक नकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। रामभक्त विपक्ष के निशाने पर हैं, उनपर तंज कसे जा रहे हैं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर व अयोध्या के विकास कार्यों पर फेक न्यूज़ फैलाई जा रही है, विपक्ष उसको हवा दे रहा है। अभी हल्की बारिश में अयोध्या धाम के पुराने रेलवे स्टेशन की बाउंड्रीवाल गिर गई जिसको नए स्टेशन की बताकर विकास कार्यों पर कीचड़ उछाला गया। भला हो समय रहते जागरुक नागरिकों ने उसका खंडन कर दिया।

उप्र में योगी ओर केंद्र में मोदी जी कमजोर हो गये तो नुकसान तो हिंदुत्व का ही होना है। संघ अगर अभी नहीं चेता तो उप्र में भी वहीं हालात हो जाएंगे जो केरल से लेकर तमिलनाडु और बंगाल तक हो रहा हैं। गैर बीजेपी शासित राज्यों में भाजपा और संघ के कार्यकताओं की हत्याएं हो रही हैं। संघ को अपनी शाखा तक लगाने तक में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हिंदू जनमानस अपने उत्सव तक नहीं मना पा रहा है। 2022 के विधानसभा चुनावों के समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक अपील करी थी कि जरा सी गलती से सारी मेहनत पर पानी फिर जाएगा और 2024 में कुछ लोगों के संकुचित सोच के कारण वही गलती हो गई है। उत्तर प्रदेश में भी जब सपा, बसपा व कांग्रेस आदि दलों की सरकारें हुआ करती थीं तो संघ के स्वयंसेवक जब अपनी शाखा लगाने के लिए पार्कों में जाते थे तब सपा और बसपा के गुंडे व समर्थक भगवा ध्वज उठाकर बहा देते थे और स्वयंसेवकों के साथ दुर्व्यव्यहार किया जाता था। योगी राज मे कम से कम संघ की शाखाएँ सुरक्षित हैं। प्रदेश में जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो गांवों में हिन्दू जनमानस अपने घरों में सुंदर कांड व रामचरित मानस का पाठ नहीं करा पाता था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को योगीराज में हो रहे हिन्दू हित के कार्यों पर भी अपनी दृष्टि डालनी चाहिए थी। लगता है कि योगी सरकार के अच्छे कार्य को संघ व संगठन की दृष्टि से नजरअंदाज कर दिया गया। संघ को विचार करना चाहिए कि 2017 के पूर्व प्रदेश के क्या हालात थे और अब क्या हालात हैं? अगर भाजपा ओर संघ के बीच मनमुटाव को तत्काल कम नहीं किया गया तो प्रदेश में रामराज्य की संकल्पना ध्वस्त हो जाएगी।

वर्तमान लोकसभा चुनावों में भाजपा की पराजय का एक बहुत बड़ा कारण प्रशासनिक अधिकारी व सरकारी कर्मचारी भी रहे जो योगी जी से केवल इसलिए छुटकारा पाना चाहते हैं क्योंकि इस सरकार में उन्हें काम करना पड़ता है। इनमें से कुछ खुले आम पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग की आड़ में विरोधी दलों के साथ मिल गये और प्रदेश में बीजेपी की सीटें कम करवाने के लिए कोई कोरकसर नहीं छोड़ी। अनेक जगहों से समाचार प्राप्त हो रहे है कि कुछ अधिकारी खुलेआम बीजेपी को हराने के लिए ही काम कर रहे थे।

समीक्षा बैठकों में खुलासा हो रहा है कि भाजपा सांसद, विधायकों व जिला टीम के साथ समन्वय व सामंजस्य का पूरी तरह अभाव था। अब जब भाजपा का विशेष जांच दल जिलों में जा रहा है तब उसके सामने ही मारपीट हो रही है।संगठन की तमाम कमियों की जानकारी सामने आ रही है। भारतीय जनता पार्टी जिन पन्ना प्रमुखों को प्रमुखता देती रही है उनमें बहुत से फर्जी निकल गये। संगठनात्मक दृष्टि से पन्ना प्रमुख एक बहुत बड़ा फर्जीवाड़ा साबित हुआ। लखनऊ जैसे ससंसदीय क्षेत्र में एक भी पन्ना प्रमुख नहीं दिखाई पड़ रहा था तो अन्य जिलों में क्या हश्र हुआ होगा विचारणीय विषय है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की पराजय कष्टकारी है। प्रदेश में व्याप्त अनेकानेक कारकों ने रामराज्य की संकल्पना व अवधारणा को तार-तार कर दिया है। परिस्थितियों को देखते हुए भाजपा को पराजय बोध से निकलना बेहद अनिवार्य हो गया है। प्रदेश में सपा व कांग्रेस का गठबंधन मजबूत हो चुका है तथा अपने निर्वाचित सांसदों के बल पर वह अब अपनी बची हुई कमजोरियों को भी दूर करने का अभियान प्रारम्भ करने जा रहा है। सपा अब गांवों में पीडीए की पंचायत लगाने जा रही हैं। युवाओं को सपा की ओर मोड़ने के लिए नये अभियान होने वाले है। बसपा में आकाश आनंद की वापसी हो गई है तथा इस बार बसपा ने लीक से हटकर उपचुनाव में उतरने का मन बना लिया है। उधर पश्चिमी उप्र में भाजपा के दो दिग्गज नेता संगीत सेम व संजीव बालियान सार्वजानिक रूप से आपस में लड़ रहे हैं । अब यदि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी व संघ के मध्य आपसी समन्वय व सामंजस्य स्थापित हो, और भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में आगामी उपचुनाव जीतनें में सफल रहे तभी परिस्थितियां नियंत्रण में रहेंगी अन्यथा समस्या गहरा सकती है। अतः समय की मांग है कि संघ और भारतीय जनता पार्टी मिलकर सुनिश्चित करें कि उनका कोई भी अंतर्विरोध हिन्दू समाज के हित से ऊपर नहीं है, भाजपा पराजय बोध की भावना से उबरकर पूरी ऊर्जा से पुनः कार्य प्रारंभ करें।

हिप्नोथैरेपी
आत्मविश्वास के लिए
अचूक इलाज

हमारे देश में सम्मोहन यानी हिप्नोटिज्म को एक चमत्कार के रूप में देखा जाता है। प्राचीन ग्रंथों में सम्मोहन का जिक्र कठिन सिद्धि के रूप में किया गया है। सम्मोहन सदैव ही जिज्ञासा एवं आश्चर्य का विषय रहा है। इसे विज्ञान और किंवदंतियों की सीमा रेखा भी कह सकते हैं।

आजकल कई टीवी धारावाहिकों में सम्मोहन का इस्तेमाल रहस्य उत्पन्न करने के लिए भी किया जाता है जबकि विदेशों में इसे गंभीर विषय मानते हुए शोध हो रहे हैं। आधुनिक रूप से सम्मोहन 18वीं शताब्दी से प्रारंभ हुआ था। इसे अर्ध-विज्ञान के रूप में प्रतिष्ठित कराने का श्रेय ऑस्ट्रियावासी फ्रांस मेस्मर को है। हिप्नोटिज्म शब्द का आविष्कार 19वीं शताब्दी के डॉ. जेम्स ब्रेड ने किया। सम्मोहन व्यक्ति के मन की वह अवस्था है जिसमें उसका चेतन मन धीरे-धीरे तन्द्रा की अवस्था में चला जाता है और अर्धचेतन मन सम्मोहन की प्रक्रिया द्वारा निर्धारित कर दिया जाता है। साधारण नींद और सम्मोहन की नींद में अंतर होता है। साधारण नींद में हमारा चेतन मन अपने आप सो जाता है तथा अर्धचेतन मन जागृत हो जाता है। इस परिवर्तन के लिए किसी बाहरी शक्ति का उपयोग नहीं होता, जबकि सम्मोहन तन्द्रा में सम्मोहनकर्ता चेतन मन को सुलाकर अचेतन को आगे लाता है और उसे सुझाव के अनुसार कार्य करने के लिए तैयार करता है। हर व्यक्ति का जीवन उसके या किसी और व्यक्ति के सुझावों पर चलता है। व्यक्ति को सम्मोहन करने के लिए सकी पांचों इंद्रियों के माध्यम से जो प्रभाव उसके मन पर डाला जाता है उसे ही यहां सुझाव कहते हैं।

हमारे मन की मुख्यत: दो अवस्थाएं होती हैं - चेतन मन और अचेतन मन। हमारा अचेतन मन चेतन मन की अपेक्षा अधिक याद रखता है एवं सुझावों को ग्रहण करता है। बहुत से लोगों की धारणा है कि केवल कमजोर इच्छाशक्ति वाले व्यक्ति को ही सम्मोहित किया जा सकता है। इसके विपरीत दृढ़ इच्छाशक्ति वाले व्यक्ति को भी आसानी से सम्मोहित किया जा सकता है। हर व्यक्ति को सम्मोहित करने का तरीका समान नहीं होता। हर व्यक्ति के अनुसार सुझाव भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। हम अपने आप को भी विभिन्न प्रकार के सुझाव दे सकते हैं। रात्रि में अर्धजागृत अवस्था के दौरान वे सुझाव हम अपने आपको देकर आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

मैं सब बातों में बेहतर होता जा रहा हूं/रही हूं।
मैं दिन-प्रतिदिन अपने कार्यों में कुशल होता जा रहा हूं/रही हूं।
मैं सदा स्वस्थ, प्रसन्नचित, उत्साहित रहता हूं/रहती हूं।
मैं अपनी सभी शुभ इच्छाएं पूर्ण करने में समर्थ हूं।
मेरा अपने क्रोध पर पूर्ण नियंत्रण है, मैं चर्चा के समय उत्तेजित नहीं होता हूं/होती हूं।
मेरी स्मरण शक्ति अच्छी होती जा रही है, मुझे नई बातें सीखने में आसानी होती है।
मेरी भाषण देने की योग्यता बढ़ती जा रही है।
मेरा व्यक्तित्व आकर्षक एवं प्रभावशाली है।

ऐसे विभिन्न प्रकार के सुझाव हम रात को सोने के पूर्व अपने आपको अनेक बार देकर कुछ ही दिनों में चमत्कारिक परिणाम पा सकते हैं। बीमारियों के इलाज में भी हिप्नोथैरेपी कारगर सिद्ध हो सकती है। इसके जरिए असामान्य रोगों का भी उपचार संभव है। पिछले कुछ वर्षों से हुए शोध से हिप्नोथैरेपी मानसिक विकारों को दूर करने सहित पारिवारिक विवादों के हल में भी कारगर सिद्ध हुई है। इसके माध्यम से हम न केवल गुर्दा प्रत्यारोपण के समय की जाने वाली सर्जरी का तनाव कम कर सकते हैं, अपितु इसके माध्यम से हम प्रसव के समय होने वाली पीड़ा को भी कम कर सकते हैं।

ताली पीटने से
भाग जाते हैं रोग

पिछले करीब 5 सालों से हर दिन नहाने के बाद 15 मिनट ताली बजाता हूं। मेरा अनुभव रहा है कि बेहद खराब जीवन शैली व रोगों के घर मोटापे के बावजूद केवल इस आदत ने अब तक मेरी रक्षा की है। ताली बजाने के फायदे पर मेरा भरोसा इस कदर बढ़ा है कि कोई पेट या सिर में होने वाली किसी भी परेशानी के लिए अच्छे डॉक्टर की सलाह मांगता है तो मैं पहले ताली की महिमा का बखान करने लग जाता हूं। जिन लोगों ने मेरी यह सलाह मानी वे सभी मेरे शुक्रगुजार हैं ।

पिछले महीने की एक घटना के बाद लगा कि मुझे अपना यह अनुभव विशाल पाठक वर्ग से भी बांटना चाहिए। खबरों की टोह लेने कुछ लंबे छरहरे स्वास्थ्य रिपोर्टरों के साथ शास्त्री भवन में था। वहां खुली सस्ती जेनेरिक दवा की सरकारी दुकान में घुस गया। वहां कक्ष में बैठे एमबीबीएस डॉक्टर से हम सब ने अपना ब्लड-प्रेशर नपवाया। मेरे ब्लड-प्रेशर की 120/80 रीडिंग देख कर उन्हें सहज यकीन ही नहीं आया।

50 से अधिक उम्र और इतनी बड़ी तोंद के बावजूद इतना आदर्श ब्लड-प्रेशर, कैसे संभव है। दूसरे साथियों का ब्लड-प्रेशर भी सामान्य था लेकिन इतना सामान्य नहीं था। जब मैंने डॉक्टर को ताली बजाने की बात बताई तो उन्हें बात तुरंत समझ में आ गई। वे भी ताली के फायदे से अच्छी तरह वाकिफ थे। उन्होंने कहा कि नियमित ताली बजाने वाले को कम से कम ब्लड-प्रेशर की बीमारी तो नहीं हो सकती। लेकिन अगर अपने अनुभव की बात करूं तो ताली बजाने के अनगिनत फायदे हैं। नियमित रूप से ताली बजा कर कीर्तन-भजन करने वालों पर भगवान की कितनी कृपा होती है यह तो किसी को पता नहीं लेकिन मेरा विश्वास है कि निश्चित रूप से कई रोग उनके पास नहीं फटक पाते होंगे। दक्षेस देशों के स्वास्थ्य पत्रकारों के संगठन हेल्थ एसेईस्ट एंड ऑथर्स लीग (हील) के संस्थापक सेक्रेटरी जनरल की हैसियत से पत्रकारों के वर्कशॉप में मैं यही कहते हुए शुरू करता था कि इतनी बड़ी तोंद होते हुए मुझे स्वास्थ्य पर भाषण देने का हक नहीं है। तोंद होना कई बीमारियों का घर माना जाता है लेकिन मैं अपने लंबे अनुभव के आधार पर अब स्वास्थ्य संपादक की हैसियत से यह दावे के साथ कह सकता हूं कि ताली बजाने के कई फायदे हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में लंबे अनुभव को इलाज की किसी विधि के प्रभावी होने के प्रमाण के रूप पेश किया जा सकता है। ताली बजाना इलाज की प्रभावी विधि एक्यूप्रेशर का एक सहजतम रूप है। कभी मुझे अक्सर डिप्रेशन (अवसाद) घेरे रहता था। सिर हमेशा भारी भारी, अक्सर दर्द, पेट में गैस, कभी भी कुछ हो जाने का डर सवार रहता था। केवल ताली बजाने मात्र से मेरी सारी समस्याएं दूर हो गई हैं। आत्मविश्वास भी काफी बढ़ा है। लगता है, ताली बजाता रहूं तो कभी कोई रोग होगा ही नहीं । ताली का इतना मुरीद इसलिए भी हूं क्योंकि मेरी जीवन शैली अच्छे स्वास्थ्य के अनुरूप कतई नहीं है। रात को काफी देर से खाना खाता हूं। टीवी देखने की इतनी बुरी आदत है कि नींद भाग जाती है। मुश्किल से 2-3 घंटे सो पाता हूं। सुबह टहलने का तो सवाल ही नहीं। सोचिए, जीवन शैली ठीक होती तो ताली से और कितने फायदे हाते। ताली मुझे इस खराब जीवन शैली के दुष्प्रभाव से बचा रही है। ठीक से सो नहीं पाने की वजह से सुबह मन भारी जरूर लगता है लेकिन ताली बजाते ही इतना तरोताजा महसूस करने लगता हूं कि मत पूछिए। सोचता हूं कोई जादू तो नहीं हो गया। कहने का यह मतलब कतई नहीं है कि कोई गंभीर रोग है तो सबकुछ छोड़कर ताली पीटना शुरू कर दें। किडनी खराब हो गई है तो ताली पीटने से वह ठीक नहीं होने वाली। यह रोगों से बचाव में बहुत अधिक प्रभावी है लेकिन रोग हो गया है तो ताली उसकी दवा नहीं हो सकती। हां, इतना तय है कि इलाज के साथ-साथ ताली बजाएं तो जल्दी फायदा जरूर होगा। मैं कांटेदार बेलन पर तलवे को 10 मिनट घिसता भी हूं। यह भी एक्यूप्रेशर की ही विधि है । मेरा एक दूसरा अनुभव भी बांटने योग्य है। सिर के बाल के तेजी से झड़ने को रोकने की कवायद में खासा परेशान था । सिर के बीच में चांद निकल आया था। कई उपाय किए। बाल झड़ना बंद नहीं हुआ। लगा इस गति से तो जल्द ही सफाचट हो जाएगा। तभी किसी ने सरसों तेल आजमाने की सलाह दी। तब से रोज नहाने के पहले पूरे माथे में चुपड़ लेता हूं। फिर कुछ मिनट बाद तेल का प्रभाव खत्म करने के लिए शैंपू लगा लेता हूं। मानें या न मानें, इस विधि के प्रयोग के बाद बाल का झड़ना जो रुका तो आज तक एक बाल भी बांका नहीं हुआ है। इन सहज उपायों को देखकर तो आर्कमीडीज की तरह यूरेका (मिल गया) ! यूरेका! कहने का मन होता है। कहीं यह कोई दवा तो नहीं!

ताली बजाना इलाज की प्रभावी विधि एक्यूप्रेशर का एक सहजतम रूप है। नियमित ताली बजाने वाले को कम से कम ब्लड-प्रेशर की बीमारी तो नहीं हो सकती। चिकित्सा के क्षेत्र में लंबे अनुभव को इलाज की किसी विधि के प्रभावी होने के प्रमाण के रूप पेश किया जा सकता है।

दर्द का अंत करे
फेशियल रिफ्लेक्सोलॉजी

फेशियल रिफ्लेक्सोलॉजी के माध्यम से आपके शरीर के किसी हिस्से में दर्द का इलाज आपके ही चेहरे के किसी पाइंट पर दबाव बनाकर किया जाता है। इस उपचार पद्धति का आधारभूत सिद्धांत चीनी औषधि है, जिसके अनुसार शरीर में ऊर्जा का संचार 12 अदृश्य पंक्तियों में होता है, जिसे मेरिडीयन्स भी कहा जाता है।

कोरिया की उपचार पद्धति सुजोक की तरह की ही एक और उपचार पद्धति फेशियल रिफ्लेक्सोलॉजी का इन दिनों खासा प्रचार हो रहा है। ब्रिटेन में इस उपचार पद्धति के लगभग 35 हजार रिफ्लेक्सोलॉजिस्ट प्रैक्टिस कर रहे हैं। इसके तहत यह माना जाता है कि हमारा चेहरा हमारे पूरे शरीर का प्रतिनिधित्व करता है। जैसे नाक और जॉलाइन दिल का, आंखों की कोर गॉल ब्लैडर का, होंठों के ऊपर, नाक के पास और आंखों के नीचे के कुछ हिस्से पेट का और गालों के आस-पास के हिस्से हार्मोंस से जुड़े हुए हैं।

इस उपचार पद्धति के माध्यम से आपके शरीर के किसी हिस्से में दर्द का इलाज आपके ही चेहरे के किसी पाइंट पर दबाव बनाकर किया जाता है। फेशियल रिफ्लेक्सोलॉजी एक ऐसा इलाज है, जो उपचार की तीन प्राचीन पद्धतियों चायनीज मेरीडियन, चायनिज एनर्जी मेडिसीन और एक्यूपंक्चर पाईंट्स, वियतनामी और एंडीयन ट्राइब्स बॉडी मैप से प्रेरित है। इस उपचार पद्धति का आधारभूत सिद्धांत चीनी औषधि है, जिसके अनुसार शरीर में ऊर्जा का संचार 12 अदृश्य पंक्तियों में होता है, जिसे मेरिडीयन्स भी कहा जाता है। होता क्या है कि जब कोई पंक्ति अवरुद्ध होने लगती है या फिर किसी तरह की कोई रुकावट होती है तो ये शरीर के दूसरे क्रियाशील हिस्सों पर प्रभाव डालने लगती है। यही सिद्धांत उपचार की दूसरी पद्धतियों जैसे रैकी, एक्यूपंक्चर आदि का भी आधार है, ये सब भी ऊर्जा के प्रवाह के सिद्धांत पर आधारित है। स्पा कंसल्टेंट बताती है कि - इसकी मूलभूत प्रेरणा है एक्यूप्रेशर और पैरों और हाथों की रिफ्लेक्सोलॉजी। इसमें नर्वस सिस्टम को प्रेरित करने के तरीके शामिल हैं। सभी शिराएं एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं और हम उन जगहों को खोज रहे हैं, जहां इसका सबसे ज्यादा असर होता है। एक दूसरा कारण इसके लोकप्रिय होने का यह है कि ये शरीर में रक्त-संचार की प्रक्रिया को भी बढ़ाता है, जिससे अपने आप शरीर के विकार ठीक होने लगते हैं। ये त्वचा को चमकदार, युवा और ताजगी भरा बनाए रखने में भी असरकारक है। इसकी सफलता पर इसलिए भी संदेह नहीं किया जा सकता है, क्योंकि दिमाग हमारे शरीर का नियंत्रक-केंद्र है और चेहरा पैरों की तुलना में इसके सबसे करीब है। तो फेशियल रिफ्लेक्सोलॉजी फुट रिफ्लेक्सोलॉजी की तुलना में ज्यादा तेजी से काम करती है। कुछ सामान्य समस्या जैसे अनिद्रा, तनाव और सिरदर्द में ये थैरेपी आराम देती है। ये सही है कि इसके परिणाम तुरंत नजर नहीं आते हैं। ये किसी दूसरे तरह की मालिश की तरह है। कम से कम 5 सिटिंग के बाद ही इसके परिणाम नजर आते हैं।

बीमारियों से बचना है तो
बोर होने से बचें

अगर आप लगातार एक जैसा काम करते हुए बोर हो रहे हैं तो संभल जाइए यह आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

बहुत ज्यादा काम या नया काम ही तनाव नहीं देता। कई बार वही पुराना काम व नए चुनौतीपूर्ण काम का अभाव भी हमें टेंशन दे सकता है! अगर आप लगातार एक जैसा काम करते हुए बोर हो रहे हैं तो संभल जाइए यह आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

बोर होने के नुकसान

- लगातार बोर होते रहने से जीवन में नीरसता आ जाती है, इससे चेहरे की त्वचा अपनी चमक खोने लगती है।
- जीवन के प्रति उत्साह ना रहने से चिड़चिड़ापन और उद्वीग्नता आ जाती है।
- आंखें बुझी-बुझी लगती है।
- छोटे-छोटे रोग शरीर में घर बनाने लगते हैं।
- सबसे पहला असर प्राकृतिक भूख पर पड़ता है। भोजन के प्रति अरुचि होने लगती है।

क्या करें

बोरियत से बचने के लिए अपनी रुचि के अनुरूप कार्यों के लिए समय निकालें। कुछ समय योग, भक्ति या व्यायाम के लिए निकालें।

मित्रों एवं परिवार वालों के साथ समय बिताएं। प्राकृतिक स्थानों पर जाएं।

ऐसी पुस्तकें पढ़ें, जिनमें आपकी रुचि हो। मनपसंद संगीत सुनें। सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं।

संक्षिप्त समाचार

साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक, सभी स्कूलों में शाला प्रवेशोत्सव मनाया जाए - कलेक्टर मलिक

महासमुंद/ कलेक्टर श्री प्रभात मलिक ने आज समय सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने 26 जून से 2रू होने वाले शाला प्रवेशोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि पालक, समुदाय और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शाला स्तर पर प्रवेशोत्सव मनाया जाए इसके लिए आवश्यक तैयारी कर लेवें। उन्होंने कहा कि इस दौरान प्राइमरी एवं मिडिल स्कूलों में नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें और गणवेश भी वितरित किया जाए। जिला मिशन समन्वयक श्री चंद्राकर ने बताया कि 26 से 30 जून तक प्रत्येक शालाओं में शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन किया जाएगा तथा ब्लॉक स्तर पर प्रवेशोत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए तैयारी कर ली गई है। कलेक्टर ने मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत ऐसे महिलाओं के नाम जोड़ने कहा है जो किसी कारणवश पात्र होते हुए भी छूट गए हैं। इसी तरह स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सप्ताह आयुष्मान की संख्या में प्रगति लाएं। कलेक्टर ने राशन कार्ड नवीनीकरण के लिए ग्राम पंचायत सचिवों से तालमेल बिठाकर छूटे हुए हितग्राहियों का 30 जून तक की स्थिति में नवीनीकरण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री मलिक ने सभी विभागीय अधिकारियों को केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं की अद्यतन जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। अत: सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। इसके अलावा खाद बीज भण्डारण और वितरण की जानकारी ली गई। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी श्री उमेश साहू सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

रेत अवैध उत्खनन एवं परिवहन कर रहे 40 हाइवा जप्त

राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई

महासमुंद/ जिला प्रशासन के निर्देश पर रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामले में 40 हाइवा को राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई में जप्त किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री उमेश साहू ने बताया कि ग्राम बरबसपुर, बड़गांव और सिरपुर क्षेत्र से अवैध तरीके से उत्खनन और परिवहन करते 40 हाइवा पकड़ी गई है। बीती देर रात से जारी कार्रवाई में राजस्व और पुलिस की टीम ने छापा मार कार्रवाई की। 32 गाड़ियां रेत घाट पर खड़ी की गई है जबकि 2 गाड़ियों को कोतवाली में खड़ा किया गया है। परिवहन के दौरान बाकि गाड़ी रास्ते में खड़ी की गई है। मौके पर हाइवा के 9 चालकों को पूछताछ के लिए कोतवाली भेजा गया है। अग्रिम कार्रवाई के लिए मामले को खनिज विभाग के सुपुर्द किया गया है।

उल्लेखनीय है कि विगत दिवस जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने अपने निरीक्षण के दौरान अवैध रेत उत्खनन और भंडारण पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। राजस्व अधिकारी श्री उमेश साहू ने रेत के अवैध भंडारण के निरीक्षण के लिए राजस्व निरीक्षकों के नेतृत्व में पटवारी की टीम गठित कर रिर्पोट देने के निर्देश दिए थे। इस दौरान राजस्व टीम निरीक्षण के सदस्य व प्रभारी तहसीलदार श्रीधर पंडा, नायब तहसीलदार श्री टिकेन्द्र नुरूटी, श्री मोहित अमिला, आरआई श्री मनीष श्रीवास्तव, पटवारी श्री तरुण चंद्राकर तथा पुलिस विभाग से एसडीओपी श्री यूलंडन यार्क जे, डीएसपी श्री मिलिंद पांडेय एवं लाइन टीआई श्री अजय कार्रवाई में शामिल थे।

आपातकाल लगाकर लोकतंत्र को हथकड़ी लगाने का काम किया था कांग्रेस ने - भाजपा

जनता के संवैधानिक अधिकारों का हनन करने के लिए कांग्रेस ने लगाया था आपातकाल - भाजपा

दुर्ग (समय दर्शन)। आपातकाल लागू किए जाने की 49 वीं वर्षगांठ पर दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में मुख्य वक्ता पुरंदर मिश्रा की विशेष उपस्थिति में विचार गोष्ठी का कार्यक्रम हुआ, जिसमें मीसाबंदियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान मीसाबंदियों ने आपातकाल के विरोध में किए गए संघर्षो और अपने अनुभवों को साझा किया।

विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता के तौर पर रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का आज जो विशाल स्वरूप दिखाई देता है वह हमारे पूर्वजों द्वारा किए गए त्याग, तपस्या और बलिदान के कारण है। कांग्रेस ने हमेशा संविधान का मखौल उड़ाने का काम किया। संवैधानिक व्यवस्था का दुरुपयोग करते हुए देश को आपातकाल में धकेल कर जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन करने से भी कांग्रेस पीछे नहीं हटी। यह प्रामाणिक तथ्य है कि संविधान में सबसे ज्यादा संशोधन कांग्रेस पार्टी की सरकार ने किया हैं और संविधान के स्वरूप को बदलने में कांग्रेस पार्टी सबसे आगे रही है।

जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने कहा कि आपातकाल के दौर में विपक्षियों को जेल में डाल दिया गया, मीडिया और प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगा दिया गया। लोकतंत्र को कारागार में डालकर तानाशाही के साथ देश को चलाने का प्रयास किया गया। आपातकाल इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस देश के संविधान के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए जिन लोगों ने आपातकाल के दौर में संघर्ष किया उनके संघर्षों को नमन करने के साथ-साथ आपातकाल को स्मरण करना जरूरी है क्योंकि आपातकाल हमें यह याद दिलाता है कि देश का शासक जब पद लोलुप और पथभ्रष्ट हो जाए तो उसका खामियाजा देश की जनता को भुगतना पड़ता है, ऐसे राजनीतिक दलों और नेताओं से देश को सावधान रहने की आवश्यकता है।

विधायक गजेंद्र यादव ने कहा कि हर राजनीतिक दल के लिए लोकतंत्र की रक्षा सर्वोपरि होना चाहिए लेकिन कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने हमेशा लोकतंत्र को खतरे में डालने का काम किया और आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या करने से भी कांग्रेस पीछे नहीं हटी। लेकिन जनसंघ, सोशलिस्ट पार्टी और तत्कालीन सामाजिक नेताओं ने अपने संघर्षों से लोकतंत्र और संविधान को बचाने का जो काम किया वह अभिनंदनीय है।

जिला भाजपा उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार ने कहा कि 12 जून को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के निर्वाचन को जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अवैध करार देकर शून्य घोषित किया तब पद छोड़ने की बजाय उन्होंने अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए 25 जून को देश में आपातकाल लगा दिया। देश के सारे विपक्ष को बंधक बनाकर और मीडिया पर प्रतिबंध लगाकर उन्होंने तानाशाही शासन के रूप में जो दमन का कुचक्र चलाया, उसकी कोई मिसाल नहीं है। आपातकाल के दौर के पुलिसिया आतंक, बेतहाशा भ्रष्टाचार, निरंकुश नौकरशाही से पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ था। कांग्रेस ने किस प्रकार से संविधान को ताक में रखकर लोकतंत्र की हत्या की, यही बताने के लिए आपातकाल स्मृति दिवस प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। कार्यक्रम संयोजक अजय तिवारी द्वारा कार्यक्रम की भूमिका रखी गई एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम सहसंयोजक मनोज सोनी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला भाजपा महामंत्री सुरेंद्र कौशिक ने किया। विचार गोष्ठी के दौरान मीसाबंदी राम पाटणकर, जनार्दन सिंह ठाकुर, डोमार चंद्राकर, राम अवतार यादव, किशोर टाटीबंधवाले, गोवर्धन जायसवाल का सम्मान मुख्य वक्ता पुरंदर मिश्रा, जिला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, विधायक ललित चंद्राकर व गजेंद्र यादव एवं प्रीतपाल बेलचंदन द्वारा किया गया। उपस्थितगणों में पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक प्रितपाल बेलचंदन, जिला भाजपा उपाध्यक्ष दिलीप साहू, विनायक नातू, जिला मंत्री आशीष निमजे, रोहित साहू, दीपक चोपड़ा, नीलेश अग्रवाल, दिनेश देवांगन, मनोज अग्रवाल विजय ताम्रकार, सुनील अग्रवाल, सुनील साहू, साजन जोसफ दिव्या कलिहारी, नरेश शर्मा, रीता मेश्राम, महेंद्र लोढ़ा, भारतेंदु गौतम, अनूप गटागट, प्रकाश साहू, हेमंत गोयल, शुभम साहू, मंजू पांडेय, बिंदु सिंह भुवाल, पूनमचंद सपहा, दीपक सिन्हा, टीकम साहू, उदय शंकर त्रिपाठी, केवल देवांगन, शिवेंद्र परिहार, रितेश जैन, महेंद्र चोपड़ा, भास्कर तिवारी, ममता देवांगन, धनंजय राजपूत, वसीम कुरैशी, ताम्रध्वज साहू सहित अनेकों कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विवाह पूर्व सिकलसेल की कुंडली मिलान से हो सकता है सिकलिन की रोकथाम

3 जुलाई तक संचालित होगा सिकल सेल जांच अभियान

सारंगढ़ बिलाईगढ़,एल (समय दर्शन)/ कलेक्टर धर्मेश साहू सिकल सेल की वीसी बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ अवधेश पाणीग्राही, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास आशीष बनर्जी, डीपीएम एन एल इजारदार उपस्थित थे। बैठक में जानकारी दिया गया कि सिकल सेल से उत्पन्न बीमारी सिकलिन की रोकथाम युवा अपने जीवनसाथी के चयन के समय कर सकते हैं। जिस प्रकार आपस में शादी के पूर्व परिचय और गुण का मिलान करते हैं उसी प्रकार स्वास्थ्य की दृष्टि से युवक युवती का सिकल सेल जांच का मिलान किया जाना चाहिए ताकि भावी पति पत्नी के बच्चे में सिकलिन की बीमारी उत्पन्न नही हो।

राष्ट्रीय सिकलसेल उन्मूलन मिशन के तहत जिले को 40 वर्ष से कम आयु के 422000 लोगों के सिकलसेल जांच करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के द्वारा अभी तक 190000 लोगो का जांच किया जा चुका है। 19 जून 2024 को आयोजित जिला स्तरीय विश्व सिकल सेल दिवस कार्यक्रम में कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू के द्वारा जांच अभियान चलाने के निर्देश के परिपालन में जिले में 19 जून से 3 जुलाई तक सिकल सेल जांच हेतु विशेष अभियान चलाई जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधेश पाणिग्राही ने बताया कि राज्य से मिले लक्ष्य मार्च 2025 तक पूर्ण किया जाना है, परंतु यथासंभव जल्दी पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है। जिले में टेस्ट के लिए पर्याप्त किट उपलब्ध है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर टेस्ट किट उपलब्ध करा दी गई है एवं मैदानी कर्मचारियों के द्वारा मिशन मोड पर ग्राम स्तर पर जांच अभियान चलाई जा रही है। जांच में मिले बीमार व्यक्तियों एवं वाहकों के उपचार टेब हाइड्रोक्सी यूरिया तथा फॉलिक एसिड के द्वारा की जा रही है। यदि इस बीमारी का समाज से उन्मूलन करना है, तो इसका प्रारंभिक कार्य जांच के द्वारा बीमारी और वाहकों का चिन्हांकन करना महत्वपूर्ण है, ताकि पीड़ित एवं वाहकों को मध्य परस्पर वैवाहिक संबंध रोक कर बीमारी को अगले पीढ़ी में हस्तांतरण को रोकी जा सके। सीएमएचओ डॉ पाणिग्राही ने जिले के 40 वर्ष से कम आयु के सभी लोगों को अपने निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जाकर अपना सिकल सेल टेस्ट कराने की अपील की है।

पार्टी के सभी समथकों और कार्यकर्ताओं का आभार : ताम्रध्वज साहू

कार्यकर्ताओं का आभार प्रदर्शन करने सरायपाली पहुंचे ताम्रध्वज साहू

सरायपाली (समय दर्शन)। महासमुंद लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करने के लिए सरायपाली पहुंचे।

इस अवसर पर कांग्रेस प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू ने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने पूरी लगन और निष्ठा के साथ निर्वाचन क्षेत्र और पार्टी की सेवा में जीत तोड़ मेहनत की। उन्होंने सरायपाली क्षेत्र में कांग्रेस को मिले अपार समर्थन और स्नेह के लिए आम जनता का भी आभार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम को क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की जीत के लिए कांग्रेस पार्टी के एक एक कार्यकर्ता रात दिन जुटे रहे भले ही परिणाम हमारे पक्ष में नहीं आए लेकिन सबकी एकजुटता से पार्टी को निश्चित रूप से मजबूती।

कार्यक्रम में सरायपाली ग्रामीण ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पुष्पेंद्र पटेल, सरायपाली शहर अध्यक्ष आरएन आदित्य, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विश्वनाथ नायक, आदिवासी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मोहन लाल भोई, कांग्रेस कार्यकर्ता रामदयाल पटेल, कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष लिलाकांत पटेल, पूर्व मंडी अध्यक्ष सीता पटेल, कांग्रेस प्रदेश सचिव दीपांजलि बारीक, रिमजी सरपंच साधराम पटेल, पिंगल गार्डिया, पार्षद सुरेश भोई, युवा कांग्रेस शहर अध्यक्ष भरत मेश्राम, तन्मय पंडा, रमेश पटेल, घसिया सिदार, पदमलोचन पटेल, महेंद्र वैष्णव, श्रवण पटेल, संतलाल बारीक, श्रीराम मानिकपुरी, तिरिथ बाई मानिकपुरी, क्षमानिधि साहू, सोनसाय बरिहा, सत्या भोई, डॉ बेरैंची बेताल, विजय यादव, नरेंद्र साहू, रामदयाल पटेल, गिरवर बारे, प्रभात पटेल, केशव चौधरी, निर्मल, नीलांचल, मनोज पटेल, नीलांबर सोनी, प्रमोद ग्वाल, परशु चौहान, कमला साहू, भोजराम साहू, नसीब खान, आरिफ अली पिंकी, केशव अग्रवाल, मीरा जमींदार, एनएसयूआई प्रदेश सह संयोजक जयंत यादव, दुष्यंत साहू, विभीषण चौहान समेत कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आईसीआईसीआई बैंक ने आईमोबाइल पे पर एक अनूठा सुरक्षा उपाय 'स्मार्टलॉक' पेश किया

मुंबई: आईसीआईसीआई बैंक ने आज घोषणा की कि उसने 'स्मार्टलॉक' लॉन्च किया है, जो एक अनूठा सुरक्षा उपाय है, जिससे उसके ग्राहक फ़ोन या ईमेल के ज़रिए ग्राहक सेवा अधिकारी की मदद लिए बिना, कई बैंकिंग सेवाओं को तुरंत लॉक/अनलॉक कर सकते हैं। आईमोबाइल पे पर उपलब्ध यह सुविधा ग्राहकों को इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई (बैंक खाते से जुड़े अन्य यूपीआई ऐप से भुगतान सहित), क्रेडिट और डेबिट कार्ड तक पहुँच को केवल एक बटन क्लिक करके लॉक/अनलॉक करने की शक्ति प्रदान करती है, जिससे उनके खाते की सुरक्षा उनके अपने हाथों में होती है। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में अपनी तरह का पहला उपाय 'स्मार्टलॉक' ग्राहकों को संपूर्ण आईमोबाइल पे को लॉक/अनलॉक करने की भी अनुमति देता है। ग्राहक अपने खाते और कार्ड में संभावित धोखाधड़ी वाले लेन-देन के मामले में इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। वे ऐसा तब भी कर सकते हैं जब वे किसी निश्चित अवधि के दौरान किसी विशेष बैंकिंग सेवा का उपयोग नहीं करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति अपने कार्ड के साथ अपना बटुआ खो देता है या जब कोई व्यक्ति लंबे समय के लिए यात्रा कर रहा हो। यह ध्यान देने योग्य है कि 'स्मार्टलॉक' सुविधा अनुसूचित स्थायी निर्देश (एसआई) और E-mandates को तब भी जारी रखने की अनुमति देती है, जब ग्राहक द्वारा बैंकिंग सेवा लॉक की जाती है। इस पहल के बारे में बोलते हुए, आईसीआईसीआई बैंक के हैड-डिजिटल चैनल्स और पार्टनरशिप्स श्री सिद्धार्थ मिश्रा ने कहा, हमारे ग्राहकों के बैंक खाते की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता, बालक वर्ग में मेजबान राजनांदगांव व बालिका वर्ग में सांई राजनांदगांव बनी चैम्पियन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ हॉकी द्वारा संचालित एवं जिला हॉकी संघ राजनांदगांव द्वारा आयोजित 5वीड्ड छत्तीसगढ सब जूनियर राज्य स्तरीय बालक×बालिका हॉकी प्रतियोगिता का रंगारंग समापन समारोह अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, राजनांदगांव में मधुसूदन यादव पूर्व सांसद व पूर्व महापौर राजनांदगांव के मुख्य आतिथ्य, किशुन यदू नेता प्रतिपक्ष नगर निगम राजनांदगांव के अध्यक्षता, श्रीमती रेखा पदम अंतर्राष्ट्रीय व्हालीबॉल खिलाड़ी के विशिष्ट आतिथ्य में एवं छत्तीसगढ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, नीलम जैन, सुश्री ऑशा थॉमस, शिवनारायण धकेता सचिव जिला हॉकी संघ, रामअवतार जोशी, गणेश प्रसाद शर्मा, भगवत यादव, चंदन भारद्धाज, रणविजय प्रताप सिंह, महेन्द्र ठाकुर, मृणाल चौबे (अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाडी), प्रिंस भाटिया, अनुराज श्रीवास्तव, शिवा चौबे, अजय झा, योगेश द्विवेदी, राजू वर्मा, घनश्याम प्रसाद, छोटे लाल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अनिशा साहू व भुमिक्षा साहू का शाल व श्रीफल देकर सम्मान किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि मधुसूदन यादव ने अपने उद्धबोधन में कहा कि वरिष्ठ खिलाड़ियों को देखकर अच्छा लगा। इसी का फल है कि यह हॉकी नर्सरी लगातार आगे बढ़ रही है। हमारे शहर की दो बालिकाओं ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल कर शहर का नाम रौशन किया। आज फायनल मैच में दोनों टीमों ने बहुत अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि यहां व प्रदेश के खिलाड़ियों को शासन द्वारा बेहतर सुविधा देने का प्रयास लगातार चल रहा है। उन्होंने राजनांदगांव के खेल स्टेडियम की स्वरूप को बहुत जल्दी ही सुविधा युक्त व खिलाड़ियों के अनुरूप बनवाने की पहल किए जाने की जानकारी दी व खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की खेल सामग्रीयों के कमी नहीं होने की बात कही।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष श्री फिरोज अंसारी ने अपने स्वागत भाषाण में कहा कि इस तरह के आयोजन से सुदुर क्षेत्रों में भी हॉकी को बढ़ावा मिले है, जिससे प्रतिभाओं को आगे लाने का मौका हमें मिला। इस स्पर्धा से चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगें। 25 जून से बालक व बालिका वर्ग की राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। वहीं 21 जुलाई से 28 जुलाई तक इस हॉकी नर्सरी में वेस्ट जोन जूनियर बालक-बालिका की हॉकी प्रतियोगिता भी आयोजित कि जायेगीं। इसके पूर्व अतिथियों का पुष्प-गुच्छ भेंटकर आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा स्वागत किया।

सब जूनियर बालक बालिका राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता के अंतिम दिन बालिका वर्ग का फायनल मैच हॉकी दुर्ग विरूद्ध सांई राजनांदगांव के मध्य खेला गया। सांई राजनांदगांव सांई राजनांदगांव ने इस एकतरफे मुकाबले मे हॉकी दुर्ग को 8-0 गोलों से पराजित कर फायनल को खिताब अपने नाम किया। सांई राजनांदगांव शुरूवात से ही आक्रामक पारी खेलते हुए मैच के 3रे, 4थें, 5वें और 8वें मिनट में नैना सोनकर ने 2 गोल प्रियांशी मौर्या और दुबी रावत 1-1 गोल करते हुए 4-0 गोल की बढ़त बना ली। हॉकी दुर्ग के खिलाड़ी लगातार गोल करने के प्रयास में रही, किन्तु सांई राजनांदगांव ने उन्हें हर समय नकाम करते रहे सांई राजनांदगांव के खिलाड़ियो शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मैच के 17वें मिनट 18वें मिनट संजना निषाद ने लगातार 2 गोल किया। वहीं 29वें मिनट और 38वें मिनट में भावना यादव और दुबी रावत ने 1-1 गोल किया। वहीं बालक वर्ग में खेले गए फायनल मैच मेजबान राजनांदगांव विरूद्ध स्पोटर्स हॉकी अकादमी रायपुर के मध्य खेला गया। मेजबान हॉकी राजनांदगांव ने एकतरफे मुकाबले में 8-0 गोल से जीत दर्ज कर राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता खिताब अपने नाम किया। मेजबान टीम राजनांदगांव ने शुरूवाती दौर से आक्रामक पारी खेलते हुए मैच के 3रे मिनट में आदर्श ने गोल किया। वहीं राजनांदगांव की ओर से आदर्श सिंह ने 4 गोल, अजय यादव ने 1 गोल, ओम यादव ने 1 गोल, गुलशन यादव ने 1, अभिषेक यादव ने 1 गोल किया। इस प्रकार हॉकी राजनांदगांव ने स्पोटर्स हॉकी अकादमी को 8-0 गोल से पराजित कर 5वीं सब जूनियर बालक वर्ग का खिताब अपने नाम किया।

फायनल मैच के पूर्व प्रात: में दोनो वर्ग के तीसरे व चौथे स्थान के लिए मैच खेले गए, जिसमें बालिका वर्ग में मेजबान राजनांदगांव व बालक वर्ग में हॉकी दुर्ग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पहले खेले गए बालिका वर्ग में हॉकी राजनांदगांव ने हॉकी बेमेतरा को 4-0 गोल से पराजित करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस एकतरफे मुकाबले में हॉकी राजनांदगांव की ओर से गीतू ने 1 गोल, राशि ने 1 गोल, सिमरन ने 1 गोल व चांदनी ने 1 गोल किया था। वहीं बालक वर्ग में खेले गए मैच में हॉकी दुर्ग ने हॉकी बिलासपुर को 4-1 गोल से पराजित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। हॉकी दुर्ग की ओर से मैच के 2रे ही मिनट हॉकी दुर्ग की ओर से तुषार ने गोल किया। वहीं बिलासपुर की ओर से मैच के 3रे मिनट में चंदू ने गोल कर 1-1 गोल की बराबरी पर रही, वहीं हॉकी दुर्ग की की ओर से चंदन, तुषार व रेहान ने 1-1 गोल किया।उपस्थित आतिथियों द्वारा 5वी राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक-बालिका हॉकी प्रतियोगिता के तहत बालक वर्ग में विजेता हॉकी राजनांदगांव उपविजेता स्पोटर्स हॉकी अकादमी रायपुर, तृतीय हॉकी दुर्ग व बालिका वर्ग में विजेता सांई राजनांदगांव, उपविजेता हॉकी दुर्ग और तृतीय स्थान पर हॉकी राजनांदगांव के खिलाड़ियों को पुरूस्कृत किया गया।

खबर-खास

कलेक्टर अग्रवाल ने जनचौपाल में सुनी दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने आज मंगलवार को समय सीमा की बैठक के उपरांत कलेक्टोरेट सभा कक्ष मे जनचौपाल में जिले के अलग-अलग क्षेत्र से आये लोग की मांग,समस्याएं एवं शिकायतें सुनी,जिस पर कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को उनके समाधान का निराकरण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री अग्रवाल को आज के जनचौपाल में 83 लोगों के आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान कुछ समस्याओं का निराकरण जनचौपाल में ही किया गया,शेष आवेदनों के निराकरण के लिए समयावधि तय की गई। आज के जनचौपाल में ग्राम फुलझर के कृपालगिर गोस्वामी ने अपने पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए आवेदन सौपा,इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।इसी तरह ग्राम पण्डरीपानी के खेमनारायण,पुरषोत्तम बंजारा,राजेन्द्र ध्रुव आदि ने काबिज भूमि का वन अधिकार पत्र प्रदाय कराने,ग्राम मालगांव निवासी गंगा मरकाम ने जाति प्रमाण पत्र बनाने,ग्राम आमदी के योगेश सिन्हा ने पीएम आवास प्रदाय करने,ग्राम जेंजरा की रामप्यारी साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत द्वितीय किस्त जारी करने की मांग की।

सफलता पाने युवा वर्ग पूरी ताकत से करें परिश्रम : उप मुख्यमंत्री शर्मा

अटल बिहारी बाजपेई विश्वविद्यालय के 13वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

विश्वविद्यालय की पत्रिका कन्हार, अटल दृष्टि सहित विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन

बिलासपुर (समय दर्शन)/ उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा आज यहां अटल बिहारी बाजपेई विश्वविद्यालय के 13वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे सादर नमन किया। उन्होंने यूनिवर्सिटी में कम्प्यूटर लैब का भी उद्घाटन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इस अवसर पर कहा विश्वविद्यालय आज अपना 13वां स्थापना दिवस मना रहा है। अपने उद्बोधन की शुरूआत अटल जी की कविता से करते हुए उन्हे श्रद्धांजलि दी। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि जीवन में पूरी ताकत और मनोयोग से परिश्रम करें तो आपको जरूर सफलता मिलेगी। युवाओं को सच्चाई के मार्ग से कभी विचलित नहीं होने की सीख दी। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट शिक्षकों और बच्चों को पुरस्कार बांटे। विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका कन्हार और मासिक पत्रिका अटल दृष्टि सहित अन्य प्रकाशनों का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति श्री एडीएन बाजपेई ने की। इसके अलावा कुलसचिव श्री शैलेन्द्र दुबे, अधिष्ठाता श्री एच एस होता, श्री भूपेन्द्र सवन्नी, श्री रामदेव कुमावत भी मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मां सरस्वती की छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय की कुलगीत का सम्मानपूर्वक गायन हुआ। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन विशेष है। अल्पसमय में ही यूनिवर्सिटी ने सफलता के नये आयाम स्थापित किए है। मुझे यहां आकर बड़ी प्रसन्नता हुई। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यूनिवर्सिटी को नये सोपान तय करने के लिए जो भी आवश्यकता होगी उसके लिए छत्तीसगढ़ शासन हर संभव मदद करेगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे जीवन में सफल होने के लिए शॉर्टकट न अपनाएं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि अल्पसमय में ही यूनिवर्सिटी ने शिक्षा जगत में अपनी विशेष पहचान बनाई है। किसी भी संस्थान के विकास में तेरह वर्ष का समय ज्यादा नहीं होता है लेकिन बावजूद इसके यूनिवर्सिटी ने नई उंचाईयों को छूआ है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री से बिलासपुर में फायर स्टेशन सहित कोनी में बेरोजगार युवाओं के लिए सेना में भर्ती के लिए प्रशिक्षण केन्द्र की मांग की जिसमें युवाओं को सेना में भर्ती के लिए मार्गदर्शन मिल सके। कुलपति एडीएन बाजपेई ने स्वागत भाषण एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा यूनिवर्सिटी में आयोजित की गई। इसके अलावा सतत नवाचार हेतु आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एवं आई.ओ.टी. पर राष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की जा रही है। उन्होंने तुलसी का पौधा भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों की जानकारी से समारोह को अवगत कराया। कुलसचिव श्री शैलेन्द्र दुबे ने आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम में नंद कुमार पटेल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री एल पी पटेल, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की कुलपति श्रीमती अरूणा पलटा, डॉ. सीवी रमन यूनिवर्सिटी के कुलपति श्री रविप्रकाश दुबे सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, विभिन्न कॉलेजो के प्राचार्य, छात्र-छात्राएं एवं नागरिकगण मौजूद थे।

कृषि विभाग द्वारा लाटापारा के किसानों को मृदा परीक्षण के संबंध में दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं कृषि विभाग के उप संचालक चंदन कुमार रॉय के मार्गदर्शन में ग्राम लाटापारा में स्वायल हेल्थ कार्ड योजना के अंतर्गत मृदा परीक्षण के माध्यम से उर्वरकों का संतुलित उपयोग विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में कृषि अधिकारियों द्वारा मृदा नमूना लेने की विधि एवं मृदा परीक्षण से संबंधित विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि खाद एवं उर्वरक का संतुलित उपयोग कर जमीन की उर्वरता को बनाए रखते हुए अधिक उत्पादन लिया जा सकता है।साथ ही असंतुलित उर्वरक के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में भी कृषकों को अवगत कराया गया।प्रशिक्षण में जल शक्ति अभियान के अंतर्गत चलाए जा रहें गतिविधियों के बारे विस्तृत जानकारी दी गई।साथ ही वर्षा जल को संचय करने के बारे में बताया गया और ग्रामीण इसमें कैसे अपना सहभागिता निभा सकते है इस विषय पर किसानों को जागरूक किया गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

// ईश्तहार //

(रा.प्र.क. 202405101000153 अ/6 वर्ष 2023-24)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा. प्र.क्रमांक 202405101000153 /अ/6 वर्ष 2023-24 आवेदक मेजर सिंह मल्ली आ. अर्जुन सिंह मल्ली निवासी सिद्धि कालोनी फेस - 03 राजनांदगांव द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.म. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा 7573/1 रकबा 0.0100 हे. भूमि को रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर दिनांक 25.01.2023 के आधार पर विक्रेता सूरज प्रसाद श्रीवास्तव आ. गोविन्द प्रसाद श्रीवास्तव निवासी संतोषी मंदिर के पीछे बोरसी दुर्ग, के तरफसे आम मुख्तयार मेजर सिंह मल्ली आ. अर्जुन सिंह मल्ली से क्रय किया है, कि रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनांमा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को पंजीयन के आधार पर नामातरण किये जान पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 09/07/2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपति। प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई जावेगा।

आज दिनांक 19/06/2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के महर से जारी किया गया है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

।। न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.) ।।

// ईश्तहार //

2024061035003
रा.प्र.क./ /अ-20(4)/वर्ष 2023-24

आवेदक अरूण अरोरा आ. स्व. किशनचंद अरोरा निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको भिलाई में स्थित भूमि खसरा नं. 1/2. 2/2 का टु. प्लाट नं. एम.आई.जी 2/392 रकबा 160 वर्गमीटर धारक अरुण अरोरा आ. किशनचंद अरोरा निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूखण्ड के प?ट्टे की वैधता मार्च, 2038 तक है। आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड को क्रेता अतुल बेंडाले पिता हरि वामन बेंडाले निवासी सेक्टर 09 भिलाई के पास विक्रय करने हेतु इकरारनामा निष्पादित कर, इकरारनामा की छाया प्रति संलग्न कर उक्त भूखण्ड के विक्रय करने की अनुमति बायत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 11.07.2024 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.06.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

नजूल जांच अधिकारी,
दुर्ग

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा निर्देश

नगरीय क्षेत्रों में वार्डों के परिसीमन का कार्य शीघ्र पूरा करें

गरियाबंद (समय दर्शनन)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की।इस दौरान उन्होंने कहा कि समय-सीमा के लंबित प्रकरणों का निराकरण करें।उन्होंने कहा कि राज्य शासन के निर्देश पर आगामी जुलाई माह से जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन माह में दो बार किया जायेगा।इसके लिए संबंधित विभाग आवश्यक तैयारी कर ले।शिविर में जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर लोगों की मांग एवं समस्याओं का यथासंभव स्थल पर ही निराकरण करने की कार्यवाही करेंगे। उन्होंने बताया कि जनसमस्या निवारण शिविर लगाने का उद्देश्य यह है कि दूरस्थ अंचल के क्षेत्रों में अधिकारी-कर्मचारी जा कर उनकी मांग एवं समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण करें।उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति के तहत छूटे हुए लोगों के लिए शिविर लगाकर आवास, आयुष्मान कार्ड,किसान सम्मान निधि,आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र,केसीसी,प्रधानमंत्री उज्जवला योजना,पीएम विश्वकर्मा,बैंक में खाता खोलना सहित अन्य योजनाओं से उन्हें शत प्रतिशत लाभान्वित करें। साथ ही आयुष्मान कार्ड का वितरण मितानिनों के सुश्निचित कराये। उन्होंने खाद्य अधिकारी को छुटे हुए लोगों के लिए एवं पंजीकृत श्रमिकों के लिए बनाये गए नवीन राशन कार्ड के वितरण के बारे में जानकारी ली।कलेक्टर ने बैठक में कहा कि जिला स्तरीय मिलेट कैंटिन की शुरुआत किया जायेगा। इसके लिए समूह की इच्छुक महिलाओं को प्रशिक्षण दिलाये ताकि इससे उन्हें स्वरोजगार मिल सके। आंगनबाड़ी के कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करे। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राहियों के लिए बनाये जा रहे मकानों का सतत् मॉनिटरिंग कर उनमें प्रगति लाये।जुलाई माह में जिला एवं विकसखण्ड स्तर पर वृहद रूप से वृक्षारोपण किया जायेगा।इसके लिए संबंधित विभाग स्थल पर वृक्षारोपण से पूर्व फेसिंग,गड्ढ़ा खुदाई कार्य एवं पानी की व्यवस्था कर ले।साथ ही जिन स्थलों पर वृक्षारोपण किया जाना है।ऐसे स्थलों के लिए पौधों उपलब्ध कराने के लिए मांग पत्र भेजे।कलेक्टर ने नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को कहा कि नगरीय क्षेत्रों में प्रत्येक वार्ड के लिए जनसंख्या एक समान हो, इसे ध्यान में रखकर नये सिरे से वार्डो का परिसीमन की कार्यवाही शीघ्र करें। एक जुलाई से देशभर में लागू होने वाले तीन नये कानूनों के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करे, जिससे कि लोगों को नये कानून के बारे में जानकारी मिल सके। इसके अलावा उन्होंने शाला प्रवेशोत्सव,नारी शक्ति से जल शक्ति,खाद एवं बीजों के भण्डारण के उठाव की जानकारी,अनुकंपा नियुक्ति,स्कूल जतन योजना के तहत किये गये निर्माण कार्यो का थर्ड पार्टी से निरीक्षण, सहित अन्य विषयों पर विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

अनियंत्रित वाहन चालकों के खिलाफयातायात पुलिस की पहल

गरियाबंद। उमनि.जिला पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के द्वारा दिए गए निर्देशानुसर जिला गरियाबंद के यातयात पुलिस बल जिला गरियाबंद के द्वारा मंगलवार को तीन सवारी,बिना हेलमेट,बिना सीट बेल्ट तथा तेज गति से चलने वाले वाहन चालको को यातायात नियमों का पालन करने संबंधी समझाईस देते हुए अभियान चलाकर सघन रूप से वाहनो की चेकिंग किया गया।जिसमें यातायात नियमों का उलंघन करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध विधिवत चालानी कार्यवाही की गयी है ।

NAGAR PANCHAYAT BASNA, DISTT. - MAHASAMUND (C.G.)
Email ID npbasna@gmail.com

e-Procurement Tender Notice

NIT No.335 /PWD/2024-25 Basna, Date-25-06-24

Online bids are invited for the following works (last date & time of bid preparation) Date 15.07.2024 at 05:30 hours.

SN	System Tender No.	Name of Work/ Description of Work	Probable Amount of contract (Rs. In Lacs)
01	155300	Labor supply contract year 2024-25 31 march 2025(09 mounth)	49.00 lakhs

The Details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e- Procurement Main Portal https://eproc.cgstate.gov.in

For more details of the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

Chief Municipal Officer
NAGAR PANCHAY BASNA

(NOTICE U/S 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT 1932)

Notice is hereby given that partnership firm carrying on business under the name and style of ADITYA UNITECH vide Partnership Deed dated 07/04/2018 (very first deed) and subsequent deed dated 26/05/2023 and 05-11-2023 bearing Regn. No. 222201861215 dated 01/06/2018. Following changes took place on 05 NOVEMBER 2023 as under:

Name of Partner Admitted and date of his admission:

1. SUMIT CHOUDHURY s/o LATE ARUN BHUSHAN CHOUDHURY (05/11/2023)

Name of the Partner Retired and date of her Retirement:

1. SMT. VARSHA CHOUDHURY w/o SHRI AMIT BHUSHAN CHOUDHURY (05/11/2023)

Name of Deceased Partner and date of his ceasing to be a Partner:

1. AJAY BHUSHAN CHOUDHURY s/o LATE AMULYA BHUSHAN CHOUDHURY (02/10/2023)

Further take notice that the business will thence-forth be carried on by the continuing partners along-with the Incoming Partners under the old name and style as "ADITYA UNITECH" and neither the remaining/continuing partners nor the firm shall be liable for any act done by legal heirs of the deceased and retiring partners or anybody acting on their behalf after that date.

For,M/S ADITYA UNITECH
PARTNER

(NOTICE U/S 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT 1932)

Notice is hereby given that partnership firm carrying on business under the name and style of M/S GOLDEN ENGINEERING INDUSTRIES UNIT II vide Partnership Deed dated 28/12/2011 (very first deed) and subsequent deed dt. 26/05/2023 and 05/09/2023 bearing Regn. No. 222201822847 dated 01/06/2018. Following changes took place on 05th SEPTEMBER 2023 as under:

Name of the Partners Retired and date of his Retirement:

1. ARUN BHUSHAN CHOUDHURY (05/09/2023)

Further take notice that the business will thence-forth be carried on by the continuing partners under the old name and style as "M/S GOLDEN ENGINEERING INDUSTRIES UNIT II" and neither the remaining/continuing partners nor the firm shall be liable for any act done by legal heirs of the deceased/ retiring partners or anybody acting on their behalf after that date.

For M/S GOLDEN ENGINEERING INDUSTRIES UNIT II
PARTNER

कार्यालय- जोन क्रमांक-3 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

क्रमांक 06/न.पा.चि नॉन-03/2024-25 रायपुर, दिनांक 25.06.2024

मैनुअल पद्धत्ति निविदा आमंत्रित की जाती है :-

01. निविदा प्रपत्र हेतु आवदेन तिथि - 10.07.2024 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
02. निविदा प्राप्त करने की तिथि - 11.07.2024 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
03. निविदा जमा करने की तिथि - 18.07.2024 कार्यालयीन समय 4:00 बजे तक
04. निविदा खोलने की तिथि - 18.07.2024 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक

कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र	कार्य का नाम	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	प्रपत्र एवं एस.ओ.आर. का विवरण	समयावधि	मद
1	रानी लक्ष्मी बाई वार्ड क्र. 10 अंतर्गत आदर्श नगर सामुदायिक भवन में रंगाई, पोताई, फ्लोरिंग एवं अन्य मरम्मत कार्य।	1.92	2000/-	300/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.डब्ल्यु भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस.ओ.आर)	02 माह	संधारण मद
2	रानी लक्ष्मी बाई वार्ड क्र. 10 अंतर्गत डॉलफीन प्राईड से ओमश्री विहार तक सी.सी. रोड एवं नाली को मरम्मत कार्य।	1.95	2000/-	300/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.डब्ल्यु भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस.ओ.आर)	02 माह	संधारण मद
3	शंकर नगर वार्ड क्र. 30 अंतर्गत बी.टी.आई. ग्राउण्ड के पास सी.सी. नाली एवं पुलिया मरम्मत कार्य।	1.99	2000/-	300/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.डब्ल्यु भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस.ओ.आर)	02 माह	संधारण मद
4	गुरू गोविंद सिंह वार्ड क्र. 29 अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला शहीद भगत सिंह पंडरी में 'स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय' अंतर्गत टॉयलेट एवं यूरिनल निर्माण कार्य।	5.00	5000/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.डब्ल्यु भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस.ओ.आर)	04 माह	स्वच्छ भारत स्वच्छ विद्यालय
5	मदर टेरेसा वार्ड क्र. 48 अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्य. शाला श्याम नगर में 'स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय अंतर्गत टॉयलेट एवं यूरिनल निर्माण कार्य।	5.00	5000/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.डब्ल्यु भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस.ओ.आर)	04 माह	स्वच्छ भारत स्वच्छ विद्यालय
6	जोन क्रमांक-03 अंतर्गत विभिन्न स्थानों में सी.सी. नाली, पुलिया एवं रोड मरम्मत कार्य।	1.95	2000/-	300/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.डब्ल्यु भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस.ओ.आर)	02 माह	संधारण मद

1. निविदा के दस्तावेज रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा।
2. कार्य से संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन दिवस में जोन क्रमांक 03 नगर पालिक निगम, रायपुर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
3. उक्त निविदा नगर पालिक निगम, रायपुर के वेबसाईट **nagarnigamraipur.nic.in** में देखी जा सकती है।

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक -03
नगर पालिक निगम, रायपुर

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस का आयोजन 26 जून को

बिलासपुर/ नशे के विरूद्ध लोगों को जागरूक करने 26 जून को नशा निवारण दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर भारत माता वाहिनी तथा विभागीय कलाकारों के सहयोग से नशे के दुष्परिणाम पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जागरूक करने के लिए रैली, बैनर पोस्टर, दीवार लेखन आदि गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर शहर के स्लम क्षेत्रों में नशा मुक्ति के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के लिए नशा मुक्ति पाम्पलेट का भी वितरण किया जाएगा।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक 202406101000098
मामले की श्रेणीः राजस्व

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2023-2024
कोहका प.ह.न. 00045 [6364(0.0200हे.)]
पक्षकारों का विवरण -आवेदक पक्षकार श्रीमती सरोज स्वामी
अनावेदक पक्षकार - मिनतादेवी

// ईश्तहार //

आवेदक - श्रीमती सरोज स्वामी पिता/पति/विभाग-व्यंकट स्वामी पता-खुर्सीपार भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.म. कोहका, तहसील व् जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 6364 रकबा 0.020 हे. भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर बैनामा दिनांक 11/01/1988 को विक्रेता मिनतादेवी पिता/पति/विभाग- ध.प जवाहरप्रसाद पता भिलाई नगर से क्रय किया है कि नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 08.07.2024 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/06/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 2
मामले की श्रेणीः राजस्व

संदर्भ जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग
प.ह.न.-00041
तितुरडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध
प्रकरण क्रमांक- क्र202324430103800033

// ईश्तहार //

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00041 के अंतर्गत ग्राम तितुरडीह के वर्तमान भूमिस्वामी नरसिह पिता/पति-नोहर सिह पता-तितुरडीह, जयत्री बाई पिता/पति-नोहर सिंह पता- के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 60/2 (0.0200) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता यशवंत कुमार पिता/पति-स्व. नरसिंह देवांगन पता-तितुरडीह दुर्ग, कमलेश्वरीदेवांगन पिता/पति-स्व. नरसिंह देवांगन पता-तितुरडीहदुर्ग, चम्पा बाई पिता/पति-पतिस्व. नरसिंह देवांगन पता-तितुरडीहदुर्ग, नितेश कुमार देवांगन पिता/पति-स्व. नरसिंहदेवांगन पता-तितुरडीहदुर्ग, बिरेन्द्र कुमार पिता/पति-स्व. नरसिंह देवांगन पता-तितुरडीह दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 18/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 2 पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आम मुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25/06/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार
दुर्ग

संक्षिप्त-खबर

ऑल इंडिया कराटे चैंपियन शीप प्रतियोगिता में रॉयल किड्स स्कूल के बच्चों ने जीता गोल्ड मेडल

पिथौरा (समय दर्शन)। ऑल इंडिया कराटे चैंपियन शीप 2024 मे पिथौरा क्षेत्रे के छात्रों ने मारी बाजी। बच्चों की मेहनत रंग लायी,,इन बच्चो ने अपनी हुनर व मेहनत, लगन के बदौलत पिथौरा क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। बिलासपुर के लखी राम मेमोरियल हॉल मे आयोजित दो दिवसीय कराटे चैम्पियनशिप दिनांक 22 जून से 23 जून के आयोजन में रॉयल किड्स स्कूल नयापारा के विशेष वाजपई को कांस्य पदक, मन्नत गुप्ता को गोल्ड मैडल , सक्षम सिन्हा को गोल्ड मैडल, आदेश तिवारी को कांस्य पदक, प्रत्यूष महंती को गोल्ड मैडल, गेवेश पटेल को सिल्वर पदक, कु कावेरी यादव को गोल्ड मैडल, कु मुदिता सिन्हा, को गोल्ड मैडल विजेता बाजपाई को गोल्ड मैडल मिला है।

इस उपलब्धि पर संस्था के प्राचार्या सुरेखा अवस्थी व विक्रम वर्मा संकुल समन्वयक ने स्थानीय बस स्टैंड में बैंड बाजे के मधुर धुन के साथ सभी बच्चों को तिलक लगा कर, माला पहनाकर व मिठाई खिला कर भव्य स्वागत किया । बच्चों ने इस उपलब्धि का श्रेय संस्था प्रमुख, कोच वीरेंद्र डड़सेना व पालको को दिया। इस अवसर पर मोहम्मद सिराज, दिलीप निषाद, समीर पटेल, घनश्याम साहू, कु उपासना निषाद, कु ज्योति श्रीवास, गायत्री साहू, कु अंजलि जगत, भूमिसुता साहू कु छाया सिन्हा, विजयलक्ष्मी गुप्ता, सुनीता प्रधान, कु किरण सेन, कु प्रियंका प्रधान, कविता तिवारी ने उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दिये।

मनोरोग एवं यौनरोग विशेषज्ञ डॉ. बी. त्रिवेदी, 27जून को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना मे

बसना (समय दर्शन)। 27जून को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना के संचालक डॉ.एन.के. अग्रवाल के मार्गदर्शन मे मनोरोग एवं यौनरोग विशेषज्ञ डॉ.बी. त्रिवेदी यौनरोग व मनोरोग के मरीजों का सफ्ल ईलाज करेंगे। मानसिक रोग के लक्षण - घबराहट, बेचैनी, एक ही विचार बार- बार मन में आना, फ़ेबिया, तनाव, चिड़चिड़ापन, अत्यधिक क्रोध, उदासी कार्य में मन ना लगना, अनिच्छा, अनिद्राएं, एकाग्रता में कमी, गलत विचारों का मन में आना, अकेले में बड़बड़ाना, अनावश्यक डर लगना, भीड़ या अन्य जगहों पर भयभीत होना, भूलजाना, याददास्त में कमी, डिमेशिया, स्वयं की देखभाल न कर पाना, मिर्गी, सिरदर्द, शराब, गांजा, तंबाकू, सिगरेट, मद्यपान, अन्य नशायुक्त पदार्थ का सेवन, सेक्स संबंधी विकार, शिथिलता, शारिरिक कमजोरी, थकान, मंदबुद्धि, व्यवहार एवं भावनात्मक परिवर्तन आदि समस्याओं का इलाज व परामर्श डॉ. बी. त्रिवेदी (मनोरोग एवं यौनरोग विशेषज्ञ) अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में करेंगे। अस्पताल प्रबंधन से मिलने वाली अन्य सुविधाओं के लिए कृपया अग्रिम पंजीयन अनिवार्य है.... 84618-11000, 77708- 68483, सभी प्रकार के जांच,सी टी स्कैन, सोनो ग्राफी,एक्स-रे की उच्च स्तरीय सुविधा के साथ प्रतिदिन नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है ।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर की तिथियां निर्धारित

बिलासपुर/ आचार संहिता की समाप्ति के बाद अब जनसमस्या निवारण शिविर के कार्यक्रम भी तय होने लगे हैं। कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने आगामी छह महीने के लिए जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर की तिथियां तय कर दी हैं। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को शिविर में मौजूद रहकर संवेदनशीलता के साथ मामलों का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जिला कार्यालय से इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 जुलाई को ग्राम मगरउछला विकासखण्ड बिल्हा, 25 जुलाई को घुटकू ब्लॉक तखतपुर, 29 अगस्त को लखराम उत्तर बिल्हा, 21 अगस्त को चपोरा ब्लॉक कोटा, 12 सितम्ब्र को मस्तुरी, 19 सितम्बर को खरकेना तखतपुर, 24 अक्टूबर को नेवसा उत्तर बिल्हा, 18 अक्टूबर को करगीकला कोटा, 6 नवम्बर को बरतोरी बिल्हा ब्लॉक, 27 नवम्बर को जूनापारा तखतपुर, 19 दिसम्बर को सीपत मंगलभवन तथा 12 दिसम्बर को मिठ्ठू नवागांव कोटा में आयोजित किया गया है। शिविर निर्धारित स्थलों पर सवेरे साढ़े 10 बजे से शुरू होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पहुंचे पाटन, कार्यकर्ताओं सहित आम नागरिकों से किया मुलाकात, समस्याएं भी सुनी

पाटन (समय दर्शन)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मंगलवार को शाम को पाटन नगर पहुंचे। वह यहां पर जनपद पंचायत के सामने स्थित वर्मा चाय दुकान के पास करीब एक से डेढ़ घंटा बैठे रहे। इस दौरान कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात किया । साथ ही साथ आम नागरिकों से भी मुलाकात किया। ज्यादातर किसानों ने बताया कि अभी वर्तमान में बिजली की हो रही आंख मिचौली की जानकारी किसानों ने पूर्व मुख्यमंत्री श्री बघेल को दी है। इसके अलावा ग्राम पाटन के कृषक निलेश वर्मा ने बताया कि जो किसानों के लिए बिजली आपूर्ति की जाती है उसमें भी अब कटौती

की जा रही है। इसके अलावा आसपास के गांव के किसान जिनके जमीन सिक्स लेन में प्रभावित हुई है उन किसानों ने भी बताया कि सिक्स लेन का अभी भी कई गांव में मुआवजा किसानों को नहीं मिल पाया है जिससे कि वह परेशान है। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लोक निर्माण विभाग के एसडीओ आरके शुक्ला से सड़कों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। इसके अलावा पाटन के स्वामी आत्मानंद चौक से पुराना बाजार होते हुए महामाया मंदिर से गुजरते हुए खोरपा तक जाने वाली सड़क के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा भी पूछे। वहीं कुछ जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र के समस्याओं से भी अवगत कराया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व मुख्यमंत्री के पूर्व ओएसडी आशीष शर्मा, जिला पंचायत दुर्ग के उपाध्यक्ष अशोक साहू ,जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष जवाहर वर्मा ,नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष भूपेंद्र कश्यप ,पुरुषोत्तम कश्यप, पार्षद लीलाधर वर्मा ,पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष हेमंत देवांगन, ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र वर्मा, जनपद पंचायत पाटन के उपाध्यक्ष देवेंद्र चंद्रवंशी, जनपद सदस्य दिनेश साहू, बबलू मारकंडे, त्रिभुवन यदु,केदार कश्यप गुलाब ठाकुर, सुरेश निषाद, संतोषी तिवारी, शेखर यादव, गोपाल देवांगन ,आभास दुबे ,वीरेंद्र वर्मा, कमल वर्मा सहित मौजूद रहे।

निषाद समाज के वार्षिक महासभा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,विधायक कुंवर सिंह निषाद एवम धमतरी विधायक ओमकार साहू हुए शामिल

दुर्ग (समय दर्शन)। केसरा परसुलीडीह परिक्षेत्र निषाद समाज के वार्षिक महासभा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल , गुण्डरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद, धमतरी विधायक ओमकार साहू के साथ ग्राम केसरा पाटन जिला दुर्ग में उपस्थित हुए ।

कार्यक्रम की विस्तार में भक्त गुह निषाद राज एवं भगवान श्री रामचंद्र जी की पूजा अर्चना कर सामाजिक सदस्यों द्वारा अतिथियों का स्वागत सम्मान किया ,सामाजिक बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम इस दौरान निषाद समाज के भवन में शेड एवं अहाता निर्माण कार्य का लोकार्पण कर सामाजिक मेधावी कक्षा दसवीं व बारहवीं में अच्छे अंक से पास होने वाले विद्यार्थी छात्र छात्राओं क सम्मान खेल कला शिक्षण संगीत अन्य विषयों में विशेष उपलब्धि प्राप्त प्रतिभाओं को सम्मान किया गया

तत्पश्चात पूर्व मुख्यमंत्री ने समाज को उद्धबोधन करते हुए केवट समाज स्वाभिमान के साथ अपनी इतिहास के अलावा अपनी अलग से समाज का पहचान बनाएं हुए हैं परंपरागत व्यवसाय के अलावा जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में समाज मजबूती से आगे बढ़ रहा है केवट समाज परंपरागत रूप से मछली पालन व्यवसाय से जुड़ा हुआ है उन्होंने कहां की हर समाज में लड़कियां ज्यादा पढ़ लिख रही हैं अब लड़के पिछड़ रहे हैं और लड़कियां आगे हो रही है। उन्होंने हर समाज के माता-

पिता को अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने की बात कही तथा सामाजिक राजनीतिक क्षेत्रों में अपनी भागीदारी लेने की बात कही।

इनके अलावा धमतरी विधायक ओंमकार साहू ने समाज को संबोधित किया पश्चात निषाद समाज के प्रदेश अध्यक्ष व गुण्डरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद ने अपने उद्धबोधन में सभी अतिथियों का अभिवादन किया व उन्होंने समाजिक नियमावली में संशोधन किए व समाज के महिला विधवाओं को शादी में पहले मौर सोपने के लिए नियमावली में सुधार किए एवं सभी अतिथियों को इस सफ्ल कार्यक्रम के लिए बधाई दिए एवं आभार प्रकट किया ।

कार्यक्रम में उपस्थित दुर्ग जिला अध्यक्ष डॉक्टर घनश्याम निषाद , जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू ,निषाद समाज धमतरी अध्यक्ष चन्दू राम निषाद, पाटन तहसील अध्यक्ष देव कुमार निषाद, कोषाध्यक्ष खिलावन निषाद ,संगठन सचिव ओम प्रकाश निषाद युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष विरेन्द्र निषाद ,जिला सचिव संतोष जलतरे, रमाअधीन निषाद,अंकेक्षक मलेश निषाद, सभापति जनपद पंचायत पाटन सुरेश निषाद सभापति दिनेश साहू क्षेत्रीय केसरा परसुलीडीह अध्यक्ष चोवाराम निषाद युवा प्रकोष्ठ सचिव जोगेंद्र निषाद क्षेत्रीय युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष शंकर निषाद,राजेश ठाकुर देवनाथ निषाद संगठन सचिव गांव प्रमुख अध्यक्ष ईश्वर प्रसाद निषाद दुकालू राम निषाद बहूरसिंह निषाद संतोष निषाद नंदकुमार निषाद परमेश्वर निषाद विष्णु निषाद भुवनेश्वर निषाद एवं केसरा परसुलीडीह पाली परिक्षेत्र के समस्त पदाधिकारी एवं समाज के भारी संख्या में महिला युवा व बुजुर्ग इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

मीसाबंदियों के सम्मान समारोह में शामिल हुए बसना विधायक डा.सम्पत अग्रवाल

- बसना विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल ने कहा - मीसाबंदी लोकतंत्र के सच्चे सेनानी

बसना (समय दर्शन)। बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल भाजपा कार्यालय जिला मुख्यालय में आयोजित मीसाबंदी सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर मीसाबंदियों को संबोधित करते हुए विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल ने कहा कि, मीसाबंदी लोकतंत्र के सच्चे सेनानी है। जिन्होने आपातकाल के पाबंदियों व अपने प्राणों की परवाह किए बिना जनता के लिए आशा की सबसे बड़ी किरण बनकर कष्ट उठाकर तानाशाह सरकार का विरोध किया। वे इन मीसाबंदियों का सम्मान कर स्वयं को सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, जिला अध्यक्ष संजय शर्मा, मीसाबंदी मणीलाल चंद्राकर, उर्मिला साहू, शमशेर सिंह सम्मी,पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राकेश चंद्राकर, जिला महामंत्री प्रदीप चंद्राकर, वरिष्ठ भाजपा नेता माधव टाकसले, सतपाल सिंह, परेश भाई, श्याम सावरकर, धरम पटेल, पप्पू पटेल,प्रेम साहू, धरम दीवान आदि सम्मानित जन मौजूद रहें।

बसना उद्यानिकी विभाग द्वारा क्षेत्र के उद्यानिकी कृषकों का भ्रमण एवं प्रशिक्षण सम्पन्न

बसना (समय दर्शन)। विकासखण्ड बसना के उन्नत व वैज्ञानिक कृषि से ओतप्रोत विचारधारा के अन्नदाता बंधुओं को उद्यानिकी विभाग बसना द्वारा विकासखण्ड उद्यानिकी अधिकारी उपेन्द्र नाग के मार्ग दर्शन में जून 2024 के अंतिम सप्ताह के अंतिम व तृतीय सत्र के इस कार्यक्रम में विज्ञान केन्द्र भलेसर महासमुन्द में कृषकों को भ्रमण एवं प्रशिक्षण कराया गया।

जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के डॉ साकेत दुबे (विषय वस्तु विशेषज्ञ उधानिकी) एवं डॉ नन्देहा (विषय वस्तु विशेषन शस्य विज्ञान) के द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र में संचालित फसलो के अनुसंधान के संबंध मे विस्तृत जानकारी दी गई।

उद्यानिकी विभाग द्वारा इस कार्यक्रम से अभिभूत बसना के कृषकों ने आधुनिक कृषि तकनीक की बारीकियों एवं अंशकालीन कृषि,फसल चक्र के लाभ,बागवानी कृषि जैसे अनेक उन्नत कृषि के संबंध में प्रशिक्षण प्राप्त किये।

बसना उद्यानिकी वाभाग से जुडे कृषको को नर्सरी बम्हनी मे फील्ड विजिट कराया गया। जहां आम की खेती और उसके बीच मे इंटरक्राफ्टिंग ,हल्दी, अदरक, तुरई के बारे मे जानकारी दी गयी । इसके पश्चात उद्यान अधिकारी बसना ने सभी कृषकों को कृषि विज्ञान केन्द्र भलेसर महासमुन्द का का भ्रमण कराया।

भ्किण द्वितीय सत्र में किचन गार्डनिंग,फ्लों की खेती, मछली पालन,मशरूम उत्पादन,ग्राफ्टिंग, कटिंग, बुकिंग,फ्ल उद्यान के बारे मे जानकारी दी गयी । इस दौरान सामान्य वर्ग से कृषक रविलाल,नारद, भुवनेश्वरी ग्राम-माधोपाली,सुदर्शन ग्राम- कलकसा,चितलाल ग्राम-पलसाभाडी, सर्वानंद ग्राम-नानकसागर।

(अजा वर्ग से)अंजना बाई, फ्रितू राम ग्राम-खोकसा,शांतिलाल ग्राम-पलसाभाडी ।

अजजा) चम्पासिदार,अनिता-सुन्दर सिंग ,बिलासनी ग्राम-पतेरापाली, ऊषा,सुभाष ग्राम-कुसमुर,अनिता नरसिंग डोंगरीपाली, संतराम,सरवन-बुधुलाल ग्राम-कायतपाली, अहिबरन ग्राम- कलकसा से सम्मिलित हुए।

राजस्व अभिलेख में लिपिकीय त्रुटि सुधार की जिम्मेदारी पटवारीयों को मिले-सुदर्शन मानिकपुरी

रायपुर/समय दर्शन)। लिपिकीय त्रुटियों की वजह से लगातार पूरे प्रदेश में किसानों को सुधार कार्य हेतु एसडीएम कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है वही छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बनाए गए ऑन लाइन पोर्टल भुइयां में हमेशा सर्वर डाउन की समस्या बनी रहती है जिसकी वजह से भोले भाले किसान ठोकर खाने को मजबूर हैं । किसानों की समस्या को गंभीरता से समझते हुए छत्तीसगढ़ निर्माण मजदूर महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुदर्शन मानिकपुरी ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह से मुलाकात की और समस्या पर लिखित आवेदन देते हुए उनसे निवेदन किया कि वह छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा को को अवगत कराते हुए किसानों की समस्या को शीघ्र अति शीघ्र दूर करें.... विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने सुदर्शन मानिकपुरी द्वारा संज्ञान में लाए गए विषय को संवेदनशीलता से लेते हुए तत्काल विभाग के मंत्री टंकराम वर्मा को लिखित समस्या से अवगत कराते हुए कहा कि इस समस्या का निराकरण जल्द से जल्द किसानों के हित में किया जाए । पूर्व के सरकार के बनाएं नियमों की वजह से आज किसानों को समस्या से दो-चार होना पड़ रहा है जिसका निराकरण शीघ्र किया जाना चाहिए सुदर्शन मानिकपुरी ने बताया कि वह लगातार जनहित के मुद्दों को उठाते रहे हैं और किसानों की इस समस्या से वह बहुत ज्यादा आहत है और जितनी जल्दी इस समस्या से किसानों को छुटकारा मिले उतना प्रदेश के किसानों के और सरकार के हित में होगा ।

एएम/एनएस इंडिया द्वारा बड़ाबांधा गांव में निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

- शिविर में स्वास्थ्य सेवाओं का आदिवासी क्षेत्रों को मिल रहा उचित लाभ,120 ग्रामीण हुए लाभान्वित

किरंदुल (समय दर्शन)। एएम/एनएस इंडिया के द्वारा पालीगुड़ा, आरएससी-19, नुआगुड़ा और बड़ापदर पंचायत के बड़ाबांधा गांव में 2 दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न बीमारियों से ग्रसित 120 चिन्हित व्यक्तियों को नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श और दवाइयां प्रदान की गई।

कार्यक्रम के दौरान एएम/एनएस इंडिया कम्पनी की सीएसआर टीम, स्वास्थ्य कर्मचारीगण, पालीगुड़ा, आरएससी-19, नुआगुड़ा, बड़ापदर पंचायत एवं बड़ाबांधा के ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

एएम/एनएस इंडिया द्वारा संचालित इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण

समुदायों में स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान कर उन्हें समय पर उचित चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराना है। जिससे दूरस्थ ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में निवासरत लोगों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आसान हो सके।

एएम/एनएस इंडिया (ArcelorMittal Nippon Steel India) एक प्रमुख इस्पात निर्माता कंपनी है, जो उच्च गुणवत्ता वाले स्टील उत्पादन और उद्योग में नवाचार के लिए जानी जाती है। एएम/एनएस कंपनी न केवल व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति भी समर्पित है। यह कम्पनी विभिन्न सामुदायिक विकास परियोजनाओं के लिए निरन्तर प्रयासरत है। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, स्पोर्ट्स और ग्रामीण इलाकों में स्थायी विकास के क्षेत्र शामिल हैं। एएम/एनएस इंडिया कम्पनी की यह नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने एवं स्थानीय निवासियों को विभिन्न बीमारियों के बारे में जागरूक कराने के उनके निरंतर प्रयास का हिस्सा है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24